छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 17 ■ अंक - 193 ■ अम्बिकापुर, शनिवार 25 जुलाई 2026 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

मदननगर में बनी हिंसक स्थिति, डीएसपी सहित 2 दर्जन जख्मी

भूमि अधिग्रहण को लेकर ग्रामीणों ने मचाया बवाल, गांव पुलिस छावनी में तब्दील हुआ

चक्काजाम से अंबिकापुर-प्रतापपुर मार्ग बाधित, आने-जाने वालों की बढ़ी परेशानी

छ.ग.फ्रंटलाइन सूरजपुर। जिले का मदननगर, शुक्रवार को उस समय हिंसा की आग में झुलस उठा, जब प्रस्तावित भूमि अधिग्रहण एवं सर्वे कार्रवाई के दौरान पुलिस और ग्रामीण आमने-सामने आ गए। देखते ही देखते विरोध प्रदर्शन हिंसक झड़प में बदल गया और पूरे क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। पथराव, लाठी-डंडा चलाने और मारपीट के बीच हालात इतने बिगड़ गए कि मौके पर मौजूद पुलिस बल को भी पीछे हटना पड़ा। घटना में डीएसपी सहित 2 दर्जन से अधिक पुलिस अधिकारी एवं जवान घायल हुए हैं, जबकि कई ग्रामीणों के घायल होने की भी सूचना है। सभी घायलों का उपचार प्रतापपुर एवं धरमपुर स्वास्थ्य केंद्रों में कराया गया। एक दर्जन से अधिक घायलों का उपचार मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल अंबिकापुर में हुआ।

जानकारी के मुताबिक, शुक्रवार को सुबह प्रशासन प्रस्तावित भूमि अधिग्रहण एवं सर्वे की कार्रवाई के लिए भारी पुलिस बल के साथ मदननगर पहुंचा था। ग्रामीण लंबे समय से भूमि अधिग्रहण का विरोध कर रहे हैं। इनका आरोप है कि उनकी आपत्तियों और मांगों पर समुचित सुनवाई नहीं की गई। जैसे ही पुलिस और प्रशासनिक टीम गांव में आगे बढ़ी, बड़ी संख्या में गांव के लोग सड़क पर आ गए। महिलाओं, पुरुषों और युवाओं ने गांव की ओर जाने वाले रास्ते पर बैठकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। दोनों पक्षों के बीच तीखी नोकझोंक हुई और देखते ही देखते माहौल हिंसक हो गया। इस दौरान जमकर पथराव, धक्का मुक्की और लाठी-डंडे चले। कई पुलिसकर्मियों के सिर तथा शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आईं, कई ग्रामीण भी घायल हुए। प्रदर्शनकारियों द्वारा पुलिस के कुछ वाहनों एवं बसों में तोड़फोड़ करने की भी जानकारी सामने आई है।

प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार कई सरकारी वाहनों को नुकसान पहुंचा है। घटना के बाद पूरे मदननगर एवं आसपास के क्षेत्रों को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया है और अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात कर दिया गया है। गांव में आने-जाने वालों पर निगरानी रखी जा रही है। समाचार लिखे जाने तक प्रतापपुर-अंबिकापुर मुख्य मार्ग पर ग्रामीणों का चक्काजाम जारी है, जिससे आवागमन पूरी तरह प्रभावित रहा। प्रशासन ने सुरक्षा कारणों से कई मार्गों पर वाहनों की आवाजाही रोक दी है। घटना में घायल पुलिसकर्मियों को उपचारार्थ अस्पताल में दाखिल कराया गया है।

घायलों को उपलब्ध कराई गई उपचार सुविधा

घायल पुलिस कर्मियों में अमर सिंह, सुखीचंद इक्का, नंदकिशोर राजवाड़े, फूलमती राजवाड़े तथा सविता साहू सहित कई अन्य अधिकारी एवं जवान शामिल हैं। वहीं अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल में निखिल सिंह 28 वर्ष, घनश्याम यादव 51 वर्ष, कृष्णा यादव 45 वर्ष, अविनाश सिंह 43 वर्ष, शैलेन्द्र त्रिपाठी 53 वर्ष, अमित गुप्ता 45 वर्ष, कमलेश्वर सिंह 45 वर्ष, अभिषेक मिंज 45 वर्ष सहित अन्य को लाया गया, यहां आपातकालीन चिकित्सा परिसर में सभी का उपचार सुविधा उपलब्ध कराई गई है। घायलों की निरंतर बनी आवाजाही को देखते हुए अस्पताल प्रबंधन भी अलर्ट रहा।

भूमि अधिग्रहण नहीं, आरोपी को गिरफ्तार करने गई थी पुलिस

पुलिस का कहना है कि पुलिस टीम भूमि अधिग्रहण कराने नहीं, बल्कि पूर्व में दर्ज एक गंभीर आपराधिक मामले के आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए गांव गई थी। इसी दौरान ग्रामीणों ने विरोध किया और स्थिति हिंसक हो गई। पुलिस ने कहा है कि, पूरे घटनाक्रम की जांच की जा रही है तथा हिंसा में शामिल लोगों की पहचान कर उनके विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

यह है ग्रामीणों का आरोप-दूसरी ओर ग्रामीणों का आरोप है कि, प्रशासन कोयला परियोजना एवं भूमि अधिग्रहण की कार्रवाई को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से भारी पुलिस बल के साथ गांव पहुंचा था। इनका कहना है कि उनकी सहमति के बिना भूमि अधिग्रहण की कोशिश की जा रही है, जिसका वे लंबे समय से विरोध कर रहे हैं। ग्रामीणों ने अपनी मांगों पर अड़े रहते हुए आंदोलन जारी रखने की बात कही है।

क्षेत्र में तनाव बरकरार-मदननगर गांव में तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है। बड़ी संख्या में ग्रामीण सड़क पर डटे हुए थे और क्षेत्र में भारी पुलिस बल तैनात है। प्रशासन लगातार लोगों से शांति बनाए रखने की अपील कर रहा है, जबकि ग्रामीण अपनी मांगों को लेकर पीछे हटने को तैयार नहीं हैं। मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है, जबकि बाकी की तलाश जारी है।

500 पुलिसकर्मी मौके पर तैनात-मदनगर में करीब 500 पुलिसकर्मी मौके पर तैनात हैं। सरगुजा संभाग के सभी जिलों से अतिरिक्त पुलिस बल बुलाया गया है। दूसरी ओर ग्रामीण जमीन नहीं देने की बात पर अड़े हैं और 10 घंटों से अधिक समय से राष्ट्रीय राजमार्ग पर डटे हुए हैं।

कांग्रेस ने की टीम गठित-घटनाक्रम को लेकर प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने पूर्व मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह की अगुवाई में आठ सदस्यीय जांच समिति गठित कर दी गई है। समिति में विधायक बिन्द्रानवागढ़ जनक ध्रुव, पूर्व अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष भानु प्रताप सिंह सहित वर्तमान और पूर्व जिलाध्यक्षों को शामिल किया गया है, जांच पूरी होने के बाद समिति अपनी रिपोर्ट प्रदेश कांग्रेस कमेटी को सौंपेगी।

अपचारी बालकों के भागने के मामले में कलेक्टर हुए सख्त, अधीक्षक को निलंबित करने के निर्देश

बाल संप्रेक्षण गृह से 13 अपचारियों के भागने के बाद प्लेस ऑफ सेफ्टी से 3 बालक फरार

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा संभाग मुख्यालय स्थित बाल संप्रेक्षण गृह और प्लेस ऑफ सेफ्टी से आए दिन बालकों के भागने की घटनाएं सामने आ रही हैं। सुरक्षा व्यवस्था का धत्ता बताते हुए अपचारी बालक कभी दीवार फांदकर तो कभी झरोखे को तोड़कर फरार हो रहे हैं। इसी क्रम में अंबिकापुर के गांधीनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत गंगापुर में स्थित प्लेस ऑफ सेफ्टी सेंटर से शुक्रवार की सुबह सुरक्षा में सेंध लगाकर 3 बालक पुन: फरार हो गए, इनकी उम्र 16 वर्ष से अधिक है। फरार हुए तीनों बालक जघन्य अपराधों के मामलों में यहां रखे गए थे। पुलिस इनके तलाश में जुट गई है। कलेक्टर ने भी अधिकारियों के साथ प्लेस ऑफ सेफ्टी का निरीक्षण किया, और अधीक्षक को निलम्बित करने के निर्देश दिए हैं।

जानकारी के मुताबिक, रोजाना की तरह शुक्रवार की सुबह 5 बजकर 45 मिनट पर योगा के लिए 49 अपचारी बालकों को बैरक से निकाला गया था, इस दौरान 3 बालक शौचालय गए और वहां लगे रोशनदान का ग्रिल तोड़कर फरार हो गए। फरार होने वालों में 2 कोरिया जिले के और एक बालक बलरामपुर जिले का बताया जा रहा है। प्लेस ऑफ सेफ्टी के प्रभारी नीतू राम कुशवाहा ने बताया कि फरार हुए दोनों कोरिया के बालक आदतन अपराधी हैं। ये पहले भी महिला जज के यहां चोरी कर चुके हैं और ये चौथी बार यहां लाए गए थे। वहीं बलरामपुर का बालक सातवीं बार यहां दाखिल हुआ था। सुरक्षा व्यवस्था के सवाल पर उन्होंने कहा कि नए भवन के कारण दिक्कत आ रही है। पिछले 3 साल से नया भवन नहीं बन पाया है, जिससे सुरक्षा में परेशानी जैसी स्थिति बन रही है।

बता दें कि, सप्ताह भर पूर्व ही बाल संप्रेक्षण गृह से 13 अपचारी बच्चों के फरार होने का मामला सामने आया था, इसके पहले यहीं से करीब एक माह पूर्व 11 अपचारी फरार हुए थे। इसके बाद प्लेस ऑफ सेफ्टी प्रबंधन को चुनौती देते हुए एक बार फिर तीन 16 से 18 वर्ष के बीच के बालकों के भागने का मामला सामने आया है। इनमें एक बलरामपुर जिले का बालक आदतन बदमाश है। उसे प्लेस ऑफ सैफ्टी सेंटर में सातवीं बार चोरी, मारपीट समेत अन्य अपराध में लाया गया है। प्लेस ऑफ सेफ्टी सेंटर में 16 वर्ष से अधिक और 18 वर्ष से कम उम्र के जघन्य अपराधों में शामिल अपचारी बालकों को रखा जाता है। इस सेंटर में पहले भी 2 बार ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं।

कलेक्टर एवं एसएसपी औचक पहुंचे मौके पर

कलेक्टर अजीत वसंत एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल ने शुक्रवार को शासकीय प्लेस ऑफ सेफ्टी संस्था बालक का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था एवं उपलब्ध सुविधाओं का अवलोकन किया। कलेक्टर ने महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी तथा ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के कार्यपालन अभियंता को भवन की खिड़कियों का आकार सुरक्षा की दृष्टि से छोटा करने, चारदीवारी के ऊपरी हिस्से में लगी ग्रिल को और अधिक मजबूत बनाने तथा भवन का बारीकी से अवलोकन कर सभी आवश्यक सुरक्षा संबंधी कार्य तत्काल प्रारंभ करने के निर्देश दिए।

अन्य जिले में स्थानांतरित करने के निर्देश-कलेक्टर अजीत वसंत ने निरीक्षण के दौरान निवासरत बालकों की मानसिक स्थिति का आंकलन कर आवश्यकतानुसार मनोवैज्ञानिक काउंसलिंग उपलब्ध कराने, साथ ही जो बच्चे आदतन बार-बार सम्प्रेक्षण गृह और प्लेस ऑफ सेफ्टी से भाग रहे हैं उन्हें अन्य जिलों में स्थानांतरित करने की प्रक्रिया प्रारंभ करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सुरक्षा व्यवस्था में लापरवाही पर संस्था के अधीक्षक को निलंबित करने के भी निर्देश दिए हैं।

सीसीटीवी फुटेज और सुरक्षा ऑडिट कराएं-एसएसपी राजेश अग्रवाल ने संस्था में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज का ऑडिट कराने तथा प्लेस ऑफ सेफ्टी बालक एवं बाल संप्रेक्षण गृह बालक दोनों संस्थाओं का सुरक्षा ऑडिट कराने के निर्देश दिए। इसके पश्चात दोनों अधिकारियों ने बाल संप्रेक्षण गृह बालक का भी निरीक्षण किया। भवन का अवलोकन करने के बाद ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के कार्यपालन अभियंता को तत्काल मरम्मत एवं निर्माण कार्य प्रारंभ करने के निर्देश दिए।

वाहन स्टैंड और फोटोकॉपी दुकान आवंटन पर नियमों को ताक पर रखने का आरोप

पीड़ित बोले-बिना समय बताए लिफाफा खोल दिया, दस्तावेज नहीं दिखाया

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शहर के जिला न्यायालय परिसर में वाहन स्टैंड और फोटोकॉपी दुकान के आवंटन को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। छत्तीसगढ़ राज्य न्यायिक कर्मचारी संघ जिला शाखा द्वारा जारी निविदा प्रक्रिया को लोग सवालों के घेरे में ले रहे हैं। आरोप है कि निविदा में निर्धारित नियमों की अनदेखी करके, सबसे अधिक बोली लगाने वाले पात्र आवेदकों को दरकिनार कर दुकानें अन्य लोगों को आवंटित कर दी गई हैं। बता दें कि, संघ द्वारा 13.07.2026 से 23.07.2026 तक वाहन स्टैंड और फोटोकॉपी दुकान संचालन के लिए निविदाएं आमंत्रित की गई थीं। निविदा 24.07.2026 को खोली जानी थी। निविदा दस्तावेज के अनुसार नियम-2 में स्पष्ट लिखा है कि सभी आवेदन पत्रों को खोलने के पश्चात जिस आवेदक ने सबसे अधिक बोली लगाई होगी, उसे समिति के अध्यक्ष या प्राधिकृत अधिकारी द्वारा सफल बोलीदाता घोषित किया जाएगा। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि सबसे अधिक बोली लगाने के बावजूद उन्हें दुकान नहीं दी गई। नियमों के विपरीत किसी अन्य व्यक्ति के नाम आवंटन कर दिया गया। कहना है कि उन्हें इस प्रक्रिया के दौरान भ्रमित किया गया, पारदर्शिता नहीं बरती गई। जब इस मामले में समिति के सदस्यों से सवाल पूछा गया तो उन्होंने किसी भी प्रकार की जानकारी देने या बताने से इंकार कर दिया। इससे आवेदकों का शक और गहरा गया है। पीड़ितों ने मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और नियमों के अनुसार पात्र आवेदकों को ही आवंटन दिया जाए। अब देखना होगा कि जिला प्रशासन और न्यायिक विभाग इस विवाद पर क्या कदम उठाता है। फिलहाल आवंटन प्रक्रिया पर उठे सवालों से असंतोष का माहौल बना हुआ है।

निविदा की प्रमुख शर्तें

जारी निविदा सूचना के अनुसार बोली राशि का 25 प्रतिशत डिमांड ड्राफ्ट/बैंकर्स चेक के रूप में जमा करना था। आवंटन अवधि वर्ष है, जिसे प्रधान जिला न्यायाधीश की अनुमति से 5 प्रतिशत वृद्धि के साथ बढ़ाया जा सकता है। किराया हर माह की 10 तारीख तक संघ के बैंक खाते में जमा करना अनिवार्य है। शुल्क दर साइकिल 5 रुपये, मोटरसाइकिल 10 रुपये, चारपहिया 20 रुपये प्रतिदिन निर्धारित है।

आवेदकों ने जताया संदेह

आवेदकों में से एक मोहम्मद इमरान ने मीडिया के सामने पूरी प्रक्रिया पर सवाल उठाए और कहा कि एक हफ्ते पहले जिला न्यायालय अंबिकापुर में फोटोकॉपी और साइकिल स्टैंड के लिए निविदा निकली गई थी, जिसमें उन्होंने फॉर्म भरा। निविदा खुलने की तारीख शुक्रवार तय थी। सुबह 10 बजे ऑफिस जाकर उन्होंने पूछा कि कितने टाइम निविदा खुलेगा, क्योंकि समय निर्धारित नहीं था। उन्हें लंच के बाद बताया गया, फिर 1 बजे, डेढ़-दो बजे गया तो कहा गया कि निविदा हो चुका है। उन्होंने आरोप लगाया कि निविदा की प्राप्ति हाई एमाउंट को होनी थी, उन्होंने पूछा सर कितना हाईएस्ट में निविदा खुला है, तो उन्होंने 51 हजार 100 रुपये बताया, और उसने भी 51 हजार का ही निविदा फार्म भरा था। ऐसे में उन्होंने निविदा प्रक्रिया पर संदेह व्यक्त किया है, क्योंकि अभी तक कोई डाक्यूमेंट उन्हें नहीं दिखाया गया है। वरुण विश्वकर्मा सहित एक अन्य ने कहा कि, बिना आवेदक के आए हुए निविदा का लिफाफा खोल दिया गया। टेंडर किसको दिया, कुछ पता नहीं। नाम बताने से भी गुरेज किया जा रहा है। समिति के सदस्य भी टालमटोल कर रहे हैं। आवेदकों ने प्रधान जिला न्यायाधीश से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच और पारदर्शी प्रक्रिया से दोबारा आवंटन कराने की मांग की है।

अपहरण के बाद युवक की बेरहमी से पिटाई, इलाज के दौरान मौत

जमीन विवाद बना हत्या की वजह, दोस्तों के साथ पार्टी मनाते समय बलपूर्वक ले गए

छ.ग.फ्रंटलाइन जरही। सूरजपुर जिले के प्रतापपुर थाना अंतर्गत ग्राम गोंदा में जमीन विवाद ने एक युवक की जान ले ली। गांव के ही कुछ युवकों पर युवक का अपहरण कर बेरहमी से मारपीट करने का आरोप है। गंभीर रूप से घायल युवक को सड़क किनारे बेहोशी की हालत में छोड़कर आरोपी फरार हो गए। प्रतापपुर से रिफर करने पर उपचार के लिए उसे अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल लाया गया, यहां देर रात उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान हरिनंदन राजवाड़े (36) निवासी ग्राम गोंदा के रूप में हुई है।

जानकारी के मुताबिक, गुरुवार शाम हरिनंदन अपने दोस्तों तुषार और राहुल के साथ घर में पार्टी कर रहा था। इसी दौरान गांव का ही ललित राजवाड़े अपने 10 से 12 साथियों के साथ पहुंचा। आरोप है कि सभी ने गाली-गलौज करते हुए हरिनंदन का जबरन अपहरण कर लिया और चारपहिया वाहन

में अपने साथ ले गए। कुछ देर बाद स्वजन को सूचना मिली कि हरिनंदन को गांव से ले जाया गया है। स्वजन और ग्रामीण उसकी तलाश में निकले तो भैंसामुड़ा के पास केंवरा चौक में वह सड़क किनारे गंभीर रूप से घायल और बेहोशी की हालत में मिला। उसके शरीर पर मारपीट के निशान थे और खून भी बह रहा था। स्वजन तत्काल उसे अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल लेकर पहुंचे, यहां देर रात इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

जमीन विवाद को बताया जा रहा वजह

मृतक के बड़े भाई बम भोले राजवाड़े ने बताया कि हरिनंदन और गांव के ही ललित राजवाड़े के बीच लंबे समय से जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। करीब पखवाड़े भर पहले भी दोनों के बीच कहासुनी हुई थी। आरोप है कि इसी रंजिश के चलते ललित ने अपने साथियों के साथ मिलकर हरिनंदन का अपहरण करके उसकी बेरहमी पटाई की, जिससे उसकी मौत हो गई।

प्रतापपुर पुलिस जांच में जुटी

मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल अंबिकापुर में आहत की मौत के बाद शुक्रवार को अस्पताल के पुलिस सहायता केंद्र की पुलिस ने स्वजन का बयान दर्ज किया है। पोस्टमार्टम के बाद शव इन्हें सौंप दिया गया है। अंबिकापुर पुलिस द्वारा केस डायरी प्रतापपुर पुलिस को भेजी जाएगी। फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है। स्वजन की शिकायत के आधार पर आगे वैधानिक कार्रवाई, घटना थाना क्षेत्र की पुलिस करेगी।

कोयलांचल में बाहुड़ा यात्रा के साथ लौटे महाप्रभु जगन्नाथ

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। कोयलांचल बिश्रामपुर में भगवान श्री जगन्नाथ, बड़े भाई बलराम और बहन सुभद्रा की पावन बाहुड़ा यात्रा रथ वापसी शुक्रवार को पूरे धार्मिक उल्लास और श्रद्धा के साथ संपन्न हुई। मौसी घर से महाप्रभु की रथ वापसी के दौरान पूरा नगर जय जगन्नाथ के उद्घोष से गुंजायमान हो उठा। श्रद्धालुओं ने पूरे मार्ग में भगवान का स्वागत किया और रथ की रस्सी खींचकर पुण्य लाभ अर्जित किया। गौरतलब है कि 16 जुलाई को आयोजित श्री गुणिंचा रथयात्रा के बाद भगवान जगन्नाथ, बलराम और सुभद्रा आरटीआई कॉलोनी स्थित ज्ञानदायिनी मां सरस्वती मंदिर परिसर में बने मौसी घर पहुंचे थे। परंपरा के अनुसार नौ दिनों तक मौसी घर में विराजमान रहने के बाद 24 जुलाई को बाहुड़ा यात्रा के माध्यम से भगवान की पुन: अपने मंदिर में विधिवत वापसी कराई गई। इस दौरान श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा था और पूरे मार्ग में

भक्ति, संगीत और जयघोष का अद्भुत वातावरण बना रहा। ज्ञात हो कि इस वर्ष धार्मिक महोत्सव की शुरुआत 29 जून को देव स्नान पूर्णिमा से हुई थी। इसके बाद 14 जुलाई को नेत्र उत्सव, कड़ी-चावल भोग तथा भगवान के नवयौवन वेश के दर्शन कराए गए। वहीं 16 जुलाई को निकली भव्य श्री गुणिंचा रथयात्रा महोत्सव का सबसे बड़ा आकर्षण रही, जिसमें क्षेत्रभर से हजारों श्रद्धालु शामिल हुए। लगातार बारिश के बावजूद श्रद्धालुओं की आस्था में कोई कमी नहीं आई और बड़ी संख्या में लोगों ने रथयात्रा में भाग लेकर भगवान का आशीर्वाद प्राप्त किया था।आयोजकों ने बताया कि 25 जुलाई शनिवार को भगवान श्री जगन्नाथ का भव्य स्वर्ण वेश श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ सजाया जाएगा, जो महोत्सव के प्रमुख आकर्षणों में से एक है। इसके बाद 26 जुलाई को अधर पणा और 27 जुलाई को नीलाद्री प्रवेश के साथ इस वर्ष के श्री जगन्नाथ महोत्सव का विधिवत समापन होगा। पूरे आयोजन को सफल बनाने में उत्कल समाज के अध्यक्ष सेनापति प्रधान के अलावा संजय पंडा, ऋषाथ देहुरी, सूरज कुमार सेठी, विद्याधर साहू, एसके स्वाई, फुल्ल नायक, अलंकार नायक, लक्ष्मी त्रिपाठी, संतोष सेठी, राजेंद्र प्रधान, अशोक स्वाई, गोविंद स्वाई, शितिकांत स्वाई, सुरेशन स्वाई, सुदर्शन सेठी, प्रभाकर स्वाई, विशाल स्वाई, प्रदीप त्रिपाठी, अखेय साहू, संतोष विश्वाल, निराकार नायक, पुरोहित सुशांत मिश्रा, सुभाष नायक, गीतांजलि स्वाई, ममता सेठी, दीप्ति स्वाई, सस्मिता साहू, अनुराधा प्रधान, अमूल्या नाहक, संगीता पांडा, छंदाश्री, मंजू स्वाई सहित अन्य सक्रिय रहे। उल्लेखनीय है कि कोयलांचल बिश्रामपुर में भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा का आयोजन पिछले दस वर्षों से लगातार किया जा रहा है। समय के साथ इस धार्मिक आयोजन की भव्यता और लोकप्रियता लगातार बढ़ती जा रही है। हर वर्ष श्रद्धालुओं की संख्या में इजाफा हो रहा है, जिससे यह महोत्सव क्षेत्र की धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान बनता जा रहा है। बाहुड़ा यात्रा के दौरान पूरे नगर में दिनभर भक्तिमय वातावरण बना रहा और श्रद्धालु महाप्रभु के दर्शन कर स्वयं को धन्य महसूस करते रहे।

शंकरगढ़ में सवारी परिवहन पर 3 पिकअप वाहन जब्त

★ सुरक्षित परिवहन सुनिश्चित करने चलाया जा रहा सघन जांच अभियान
★ वाड्रफनगर में नियमों उल्लंघन पर 15 हजार रुपये की चालानी कार्रवाई

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिले में आमजनों एवं स्कूली बच्चों के सुरक्षित एवं व्यवस्थित परिवहन व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से परिवहन विभाग द्वारा लगातार जांच अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के दौरान स्कूल वैन एवं अन्य वाहनों के बीमा, फिटनेस, परमिट, चालक के दस्तावेज, सुरक्षा मानकों तथा मोटरयान अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों का बारीकी से परीक्षण किया जा रहा है।

इसी क्रम में वाड्रफनगर में परिवहन एवं पुलिस विभाग द्वारा की गई जांच के दौरान दो स्कूल वैन एवं अन्य वाहनों में बीमा, फिटनेस सहित अन्य आवश्यक दस्तावेजों एवं नियमों की कमी पाई गई। निर्धारित मानकों का पालन नहीं करने पर संबंधित वाहन संचालकों के विरुद्ध मोटरयान अधिनियम के तहत कुल 15,000 रुपये की चालानी कार्रवाई की गई।

इसी प्रकार शंकरगढ़ में पिकअप वाहन में सवारी परिवहन करते पाये जाने पर 3 पिकअप वाहन को जब्त कर शंकरगढ़ थाने में सुपुर्द किया गया है। जांच दल ने वाहन संचालकों को आवश्यक दस्तावेज, फिटनेस जांच एवं याताया नियमों का पालन करने की समझाइश दी। साथ ही बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है, इसलिए बीमा, फिटनेस, परमिट, प्रदूषण प्रमाण-पत्र तथा अन्य आवश्यक दस्तावेजों को समय-समय पर अद्यतन रखना अनिवार्य है।

आचरण नियमों के उल्लंघन पर भेलवाडीह पंचायत सचिव निलंबित

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। ग्राम पंचायत भेलवाडीह, जनपद पंचायत बलरामपुर में पदस्थ पंचायत सचिव श्री विष्णुपद मण्डल को ऑनलाइन जन्म प्रमाण-पत्र बनाने के नाम पर राशि मांगने के मामले में तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। उनके विरुद्ध विभागीय जांच भी संस्थित की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार समाचार पत्र एवं सोशल मीडिया में एक ऑडियो प्रसारित हुआ था, जिसमें पंचायत सचिव द्वारा ऑनलाइन जन्म प्रमाण-पत्र बनाए जाने के लिए 200 रुपये की मांग किए जाने का आरोप लगाया गया था। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए जनपद पंचायत स्तर पर दो सदस्यीय जांच दल गठित कर मामले की जांच कराई गई।

जांच प्रतिवेदन में शिकायत प्रथम दृष्टया सही पाई गई। जांच में पाया गया कि पंचायत सचिव का कृत्य छत्तीसगढ़ पंचायत सेवा (आचरण) नियम, 1998 के नियम 3(1)(2)(3) का उल्लंघन करते हुए कदाचार की श्रेणी में आता है। इसके बाद संबंधित पंचायत सचिव को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। पंचायत सचिव द्वारा 17 जुलाई 2026 को अपना जवाब प्रस्तुत किया गया, लेकिन सक्षम प्राधिकारी द्वारा उसका परीक्षण करने पर जवाब असंतोषजनक पाया गया।

जिसके आधार पर जिला पंचायत सीईओ के द्वारा छत्तीसगढ़ पंचायत सेवा (अनुशासन तथा अपील) नियम, 1999 के नियम-4 के तहत श्री विष्णुपद मण्डल, पंचायत सचिव, ग्राम पंचायत भेलवाडीह (अतिरिक्त प्रभार ग्राम पंचायत बरदर) को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। निलंबन अवधि के दौरान उनका मुख्यालय जनपद पंचायत बलरामपुर निर्धारित किया गया है। साथ ही इस अवधि में उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी।

बच्चों को डायरिया से सुरक्षित रखने जिले भर में चलाया जा रहा जागरूकता कार्यक्रम

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार जिले में 01 जुलाई से 31 अगस्त 2026 तक स्टॉप डायरिया अभियान-2026 संचालित किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य पाँच वर्ष से कम आयु के बच्चों को डायरिया से सुरक्षित रखना, समय पर उपचार उपलब्ध कराना तथा स्वच्छता एवं सुरक्षित पेयजल के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना है। स्वच्छ जल, समुचित उपचार, डायरिया से बचें हर बार के उद्देश्य के साथ अभियान के अंतर्गत डायरिया की रोकथाम, बचाव एवं उपचार के लिए सुरक्षा, रोकथाम और ईलाज की रणनीति पर कार्य किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग के साथ महिला एवं बाल विकास, शिक्षा, पेयजल एवं स्वच्छता, ग्रामीण विकास, नगरीय प्रशासन सहित अन्य विभागों के समन्वय से विभिन्न गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। स्वास्थ्य केन्द्रों, आंगनबाड़ी केन्द्रों, विद्यालयों एवं समुदाय स्तर पर जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

स्वच्छ जलए समुचित उपचारए डायरिया से बचें हर बार के संदेश के साथ 31 अगस्त तक चलेगा अभियान

अभियान के तहत जन्म के बाद पहले छह माह तक शिशु को केवल माँ का दूध पिलाने, रोटावायरस के टीकाकरण सहित अन्य टीकाकरण, स्वच्छ पेयजल का उपयोग, साबुन से हाथ धोने की आदत, साफ-सफाई बनाए रखने तथा सभी स्वास्थ्य संस्थानों एवं आंगनबाड़ी केन्द्रों में ओआरएस एवं जिंक कॉर्नर की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है।

डायरिया की रोकथाम के लिए ग्राम पंचायतों, ग्राम जल एवं स्वच्छता समितियों, स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण समितियों तथा विभिन्न विभागों के समन्वय से स्वच्छ शौचालयों के उपयोग, सुरक्षित पेयजल, कचरा प्रबंधन तथा समुदाय आधारित गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाएगा।

स्वास्थ्य विभाग ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे स्वच्छता संबंधी आदतों को अपनाएं, बच्चों में डायरिया के लक्षण दिखाई देने पर तुरंत स्वास्थ्य केन्द्र में संपर्क करें।

सुरहूलखास आंगनबाड़ी केन्द्र में बच्चों को गुणवत्ता एवं मानक अनुरूप दिया गया पोषण आहार

एक्सपायरी पैकेटों को विनष्टीकरण हेतु पृथक से रखा गया सुरक्षित

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। विभिन्न माध्यमों से प्रसारित समाचार में आंगनबाड़ी केंद्र सुरहूलखास में एक्सपायरी डेट का रेडी-टू-ईट आहार बच्चों को उपभोग कराया गया है के संबंध में महिला एवं बाल विकास विभाग अधिकारी द्वारा तथ्यात्मक जानकारी देते हुए बताया गया है कि उक्त संबंध में तत्काल जांच एवं हितग्राहियों से चर्चा की गई। जिसमें पाया गया कि आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों को वितरित किया गया शिशु शक्ति आहार पूर्णत: सुरक्षित था तथा उसकी उपयोग अवधि शेष थी। बच्चों को किसी भी प्रकार का एक्सपायरी डेट का आहार वितरित नहीं किया गया।

उन्होंने जानकारी दी है कि जांच के दौरान केंद्र में रेडी-टू-ईट के पैकेट उपलब्ध थे, उनमें से 2 पैकेट शिशुवती माताओं के लिए निर्धारित थे, जिनकी उपयोग अवधि समाप्त हो चुकी थी। ऐसे पैकेटों को निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार विनष्टीकरण हेतु पृथक रूप से सुरक्षित रखा गया था। उक्त पैकेटों का बच्चों के लिए वितरण अथवा उपयोग नहीं किया गया है। उन्होंने बताया कि सभी बच्चे एवं हितग्राही स्वस्थ पाए गए हैं तथा किसी भी प्रकार की खाद्य जनित समस्या सामने नहीं आई है।

ग्राम के उप सरपंच द्वारा भी यह स्पष्ट किया गया है कि बच्चों को केवल ताजा एवं निर्धारित मानकों के अनुरूप रेडी-टू-ईट आहार ही उपलब्ध कराया गया है तथा आंगनबाड़ी केंद्र में सभी व्यवस्थाएं सुचारु रूप से संचालित हो रही हैं।

महिला एवं बाल विकास विभाग अधिकारी ने बताया है कि आंगनबाड़ी केंद्रों की सतत निगरानी की जा रही है। विभाग गर्भवती महिलाओं, शिशुवती माताओं एवं 06 माह से 06 वर्ष तक के बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य एवं समुचित देखभाल के प्रति पूर्णत: प्रतिबद्ध है। सभी हितग्राहियों को निर्धारित गुणवत्ता एवं मानकों के अनुरूप पूरक पोषण आहार उपलब्ध कराया जा रहा है तथा गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु नियमित निरीक्षण एवं आवश्यक कार्रवाई की जाती है।

बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के ग्राम पंचायत कोटडीह ने

राष्ट्रीय सुजल ग्राम संवाद में किया छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व

राष्ट्रीय मंच पर कोटडीह ने साझा किया जल जीवन मिशन का सफलता मॉडल

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जल जीवन मिशन, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित सुजल ग्राम संवाद के नौवें चरण में छत्तीसगढ़ राज्य की ओर से बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के ग्राम पंचायत कोटडीह ने प्रतिनिधित्व किया। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित इस संवाद में छत्तीसगढ़ के साथ हरियाणा, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, जम्मू-कश्मीर सहित विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधियों ने सहभागिता की।

कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय जल जीवन मिशन के मिशन संचालक द्वारा ग्राम पंचायत कोटडीह के प्रतिनिधियों से गांव में पेयजल की उपलब्धता, जल जीवन मिशन से ग्रामीणों के जीवन में आए सकारात्मक बदलाव, जल बहिनियों द्वारा फील्ड टेस्ट किट के माध्यम से पेयजल गुणवत्ता परीक्षण एवं नमूना जांच की प्रक्रिया की जानकारी ली गई। साथ ही ग्रामवासियों द्वारा पेयजल हेतु निर्धारित मासिक उपयोगकर्ता शुल्क, योजना के संचालन एवं संधारण तथा सामुदायिक सहभागिता पर विस्तृत चर्चा की गई।

संवाद के दौरान जल शक्ति मंत्रालय के अधिकारियों ने ग्राम पंचायत कोटडीह की सरपंच, सचिव एवं जल बहिनियों से विशेष चर्चा कर ग्राम की पेयजल व्यवस्था, योजना के संचालन तथा समुदाय की सहभागिता के संबंध में जानकारी ली। कार्यक्रम में ग्रामवासियों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करते हुए जल का समुचित एवं जिम्मेदार उपयोग करने तथा जल स्रोतों के संरक्षण में सक्रिय सहभागिता निभाने के लिए प्रेरित किया गया।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी भी संवाद में शामिल हुईं। उन्होंने जिले में जल जीवन मिशन के अंतर्गत संचालित कार्यों की प्रगति एवं उपलब्धियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जिले में जल स्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए विकसित भारत-ग्रामीण रोजगार एवं आजीविका मिशन के समन्वय से व्यापक स्तर पर कार्य किया जा रहा है तथा आगामी कार्ययोजना भी प्रस्तुत की गई। कलेक्टर ने जिले में सोर्स सस्टेनेबिलिटी को सुदृढ़ करने के लिए, 5 प्रतिशत स्ट्रक्चर मॉडल, सोख्ता गड्ढा सहित विभिन्न जल संरक्षण संरचनाओं के निर्माण एवं उनके प्रभाव की जानकारी दी। जल संरक्षण एवं स्रोत संवर्धन की दिशा में जिले द्वारा किए जा रहे नवाचारों एवं प्रयासों की राष्ट्रीय स्तर पर सराहना भी की गई।

रामानुजगंज में नो एंट्री नियमों के उल्लंघन पर हुई सख्त कार्रवाई

41 प्रकरणों में 98 हजार 600 रुपये का लगाया गया शमन शुल्क

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिले के नगर पालिका रामानुजगंज क्षेत्र में यातायात व्यवस्था को सुचारु, सुरक्षित एवं व्यवस्थित बनाए रखने के उद्देश्य से कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी द्वारा के निर्देशों के अनुरूप परिवहन एवं पुलिस विभाग के द्वारा लगातार निगरानी एवं सघन जांच अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी कड़ी में विगत रात्रि रामानुजगंज नगर के प्रतिबंधित क्षेत्र में विशेष जांच अभियान चलाया गया। जांच के दौरान नो-एंट्री के निर्धारित नियमों का उल्लंघन कर नगर क्षेत्र में प्रवेश करने वाले भारी वाहनों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान अधिकारियों ने प्रत्येक वाहन के दस्तावेजों, निर्धारित मार्ग, प्रवेश समय एवं मोटरयान अधिनियम के अन्य प्रावधानों की भी जांच की गई। ताकि नगर क्षेत्र में दुर्घटनाओं की आशंका को

न्यूनतम करना तथा आम नागरिकों के लिए सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करना है। कार्रवाई के दौरान नो-एंट्री नियमों का उल्लंघन करने के 29 प्रकरण दर्ज किए गए, जिन पर 58,000 रुपये का शमन शुल्क अधिरोपित किया गया। वहीं सीट बेल्ट का उपयोग नहीं करने के 2 प्रकरणों में 1,000 रुपये तथा मोटरयान अधिनियम के अन्य प्रावधानों के उल्लंघन से संबंधित 10 प्रकरणों में 39,600 रुपये का शमन शुल्क वसूला गया। इस प्रकार कुल 41 प्रकरणों में 98,600 रुपये का शमन शुल्क अधिरोपित करते हुए नियमानुसार कार्रवाई की गई।

संबंधित अधिकारियों द्वारा सतत रूप से सुव्यवस्थित परिवहन के लिए नियमित रूप से जांच अभियान चलाते हुए नियमों के उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध मोटरयान अधिनियम के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी।

दो दिवसीय फोटोग्राफी कार्यशाला संपन्न

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। डिजिटल युग में फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी के बढ़ते महत्व को देखते हुए विद्यार्थियों को तकनीकी एवं व्यवसायिक कौशल से जोड़ने के उद्देश्य से जिला प्रशासन सूरजपुर एवं निकोन छत्तीसगढ़ के संयुक्त तत्वावधान में जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित दो दिवसीय फोटोग्राफी कार्यशाला का सफलतापूर्वक समापन हुआ।

कार्यशाला में स्कूली एवं महाविद्यालयीन विद्यार्थियों को फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया गया। विशेषज्ञों ने आधुनिक कैमरा तकनीकों, कैमरे एवं विभिन्न प्रकार के लेंस की संरचना, उपयोगिता तथा उनके व्यवहारिक उपयोग की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही प्रतिभागियों को कैमरा संचालन, कंपोजिशन, प्रकाश व्यवस्था तथा प्रभावी फोटोग्राफी के मूलभूत सिद्धांतों का प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

कार्यशाला के दूसरे दिन प्रतिभागियों को कैमरे के माध्यम से व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान उन्हें फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी के क्षेत्र में उपलब्ध रोजगार एवं स्वरोजगार की संभावनाओं से परिचित कराया गया तथा रचनात्मक कौशल को व्यावसायिक अवसरों से जोड़ने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यशाला में शासकीय रेवती रमण स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कन्या महाविद्यालय, पीएमश्री सेजस नवापारा, कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय, कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तथा बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, सूरजपुर के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। समापन अवसर पर सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

लगातार हो रही बारिश से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बना तालाब, वार्डों में भरा पानी

पानी के बीच चलता रहा इलाज, उपकरण बचाने जद्दोजहद करते रहे कर्मचारी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

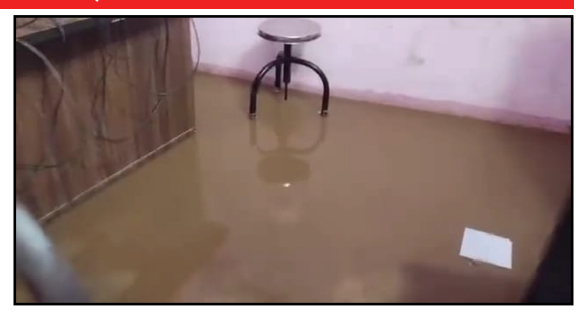

बिहारपुर। सूरजपुर जिले के दूरस्थ एवं आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र बिहारपुर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एक बार फिर अपनी अव्यवस्थाओं को लेकर चर्चा में है। लगातार तीन दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश ने अस्पताल भवन की निर्माण गुणवत्ता और जल निकासी व्यवस्था की वास्तविक स्थिति उजागर कर दी। अस्पताल परिसर ही नहीं, बल्कि भवन के भीतर तक बारिश का पानी भर जाने से स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हो गईं। हाल, मुख्य कॉरिडोर, कंप्यूटर कक्ष, प्रसव कक्ष, महिला एवं पुरुष वार्ड, दवा भंडार सहित कई महत्वपूर्ण हिस्सों में पानी भर गया, जिससे मरीजों के उपचार और कर्मचारियों के कार्य में बाधा उत्पन्न हुई। बारिश के दौरान अस्पताल का दृश्य किसी स्वास्थ्य केंद्र से अधिक जलमग्न भवन जैसा नजर आया। कई कमरों में फर्श पूरी तरह पानी में डूब गया। मरीजों के परिजनों को पानी के बीच होकर वार्ड तक पहुंचना पड़ा, वहीं डॉक्टरों, स्टाफ नर्सों और अन्य कर्मचारियों ने रात्रिकालीन ड्यूटी के दौरान पानी के बीच खड़े होकर मरीजों का उपचार किया।

उपकरण बचाने की जद्दोजहद

अस्पताल में पानी भरने के कारण कर्मचारियों की सबसे बड़ी चिंता बिजली से संचालित उपकरणों और कंप्यूटर सिस्टम को सुरक्षित रखना रही। कंप्यूटर कक्ष में पानी पहुंचने के बाद कर्मचारियों ने जरूरी दस्तावेजों, दवाओं और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। फिसलन के कारण मरीजों और कर्मचारियों के गिरने का खतरा लगातार बना रहा। कई जगह कर्मचारियों को पानी निकालने का प्रयास भी करना पड़ा, लेकिन लगातार बारिश के कारण समस्या बनी रही।

प्रसव कक्ष तक पानी, बढ़ी चिंता

सबसे गंभीर स्थिति प्रसव कक्ष और वार्डों में देखने को मिली। यहां तक पानी पहुंचने से गर्भवती महिलाओं और भर्ती मरीजों की सुरक्षा को लेकर सवाल उठने लगे हैं। स्वास्थ्य सेवाओं में स्वच्छता सबसे महत्वपूर्ण मानी जाती है, लेकिन जलभराव के कारण संक्रमण फैलने की आशंका भी बढ़ गई है। यदि ऐसी स्थिति लंबे समय तक बनी रहती है तो मरीजों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। अस्पताल के भीतर जलभराव का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। बताया जा रहा है कि यह वीडियो दो दिन पहले का है। वीडियो में अस्पताल के अलग-अलग हिस्सों में पानी भरा हुआ स्पष्ट दिखाई दे रहा है। वीडियो वायरल होने के बाद लोगों ने स्वास्थ्य विभाग और निर्माण एजेंसी की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाने शुरू कर दिए हैं। इलाज के लिए अस्पताल पहुंचे मरीजों और उनके परिजनों ने व्यवस्था पर नाराजगी जताई। उनका कहना है कि अस्पताल में बीमारी का इलाज कराने आते हैं, लेकिन यहां पहली ही बारिश में पानी और गंदगी से जूझना पड़ता है। उनका कहना है कि यदि प्रसव कक्ष और वार्ड तक में पानी भर जाए तो मरीजों की सुरक्षा कैसे सुनिश्चित होगी। ग्रामीणों का कहना है कि यह समस्या नई नहीं है। हर वर्ष बारिश के दौरान अस्पताल में जलभराव की स्थिति बनती है, लेकिन अब तक स्थायी समाधान नहीं किया गया। बरसात शुरू होने से पहले भी जल निकासी व्यवस्था सुधारने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

निर्माण गुणवत्ता पर उठे सवाल

अस्पताल भवन के भीतर पानी भरने की घटना ने भवन निर्माण की गुणवत्ता पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। लोगों का कहना है कि यदि सरकारी अस्पताल में पहली तेज बारिश में ही पानी भर जाए, तो यह निर्माण कार्य और रखरखाव दोनों की गंभीर खामियों की ओर संकेत करता है। विशेषज्ञों का मानना है कि अस्पताल जैसे संवेदनशील संस्थानों में प्रभावी ड्रेनेज सिस्टम, उचित ढलान और नियमित रखरखाव अनिवार्य होना चाहिए। स्थानीय नागरिकों, जनप्रतिनिधियों और मरीजों के परिजनों ने जिला प्रशासन से अस्पताल का तकनीकी निरीक्षण कराने की मांग की है। उनका कहना है कि अस्थायी रूप से पानी निकालने के बजाय जल निकासी की स्थायी व्यवस्था बनाई जाए, ताकि भविष्य में मरीजों और स्वास्थ्य कर्मियों को इस परेशानी का सामना न करना पड़े। बिहारपुर जैसे दूरस्थ क्षेत्र में यह अस्पताल हजारों ग्रामीणों के लिए जीवन रेखा है। यदि इसी अस्पताल की व्यवस्था बारिश के सामने बेबस हो जाए, तो इसका सबसे अधिक खामियाजा गरीब और ग्रामीण मरीजों को भुगतना पड़ता है।

शीतकालीन सत्र में पेश हो सकती है UCC, पत्थरबाजी पर कांग्रेस को सीएम साय की नसीहत

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर । मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को लेकर बड़ा संकेत देते हुए कहा है कि सुप्रीम कोर्ट की पूर्व न्यायाधीश जस्टिस रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में गठित समिति की बैठक जल्द होगी। समिति की अनुशंसाओं के आधार पर समान नागरिक संहिता (वउउ) विधेयक को आगामी शीतकालीन सत्र में पारित कराने की दिशा में सरकार आगे बढ़ेगी। कर्नाटक दौरे पर रवाना होने से पहले रायपुर में मीडिया से बातचीत के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार इस विषय पर गंभीरता से काम कर रही है और समिति की प्रक्रिया पूरी होने के बाद इसे विधानसभा के शीतकालीन सत्र में लाने की तैयारी है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने रायपुर में कांग्रेस के प्रदर्शन पर भी तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में सभी को शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने का अधिकार है, लेकिन कानून हाथ में लेने की अनुमति किसी को नहीं दी जा सकती। भाजपा के प्रदर्शन के दौरान हुई पत्थरबाजी की घटना का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, ₹कांग्रेसी कश्मीर की तरह पत्थरबाजी पर उतर आए हैं। लोकतंत्र में विरोध का अधिकार है, लेकिन हिंसा और पत्थरबाजी स्वीकार्य नहीं है।₹ उन्होंने स्पष्ट किया कि कानून व्यवस्था बिगाड़ने और हिंसा में शामिल लोगों के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

महानदी जल विवाद के समाधान हेतु केंद्र की मध्यस्थता का फैसला ऐतिहासिक व स्वागतयोग्य : भाजपा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश उपाध्यक्ष एवं सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी ने ओड़िशा और छत्तीसगढ़ के मध्य वर्षों से चले आ रहे महानदी जल विवाद को केंद्र सरकार की मध्यस्थता से सुलझाने की दिशा में बनी सहमति का पुरजोर स्वागत किया है। श्रीमती चौधरी ने इस ऐतिहासिक पहल को दोनों राज्यों के विकास और किसानों के हित में एक बड़ा व दूरगामी कदम बताया है।भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष व सांसद श्रीमती चौधरी ने कहा कि महानदी जल विवाद ट्रिब्यूनल में लम्बे समय से लम्बित इस गम्भीर मामले में केन्द्र सरकार की मध्यस्थता स्वीकार करने पर दोनों राज्यों, ओड़िशा एवं छत्तीसगढ़ ने जो सहमति जताई है, उससे आपसी सद्भाव और संवाद के जरिए स्थायी समाधान की उम्मीदें बेहद मजबूत हुई हैं। श्रीमती चौधरी ने केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि श्री साहू द्वारा केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल से मिलकर की गई सार्थक चर्चा और केंद्रीय जल आयोग के माध्यम से दोनों राज्यों के वरिष्ठ अधिकारियों की संयुक्त समिति गठित करने के अनुरोध का ही परिणाम है कि आज यह ऐतिहासिक मोड़ सम्भव हो सका है।भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष व सांसद श्रीमती चौधरी ने कहा कि छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय तथा ओड़िशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी के बीच जल्द ही आयोजित होने वाली उच्चस्तरीय बैठक से जल बँटवारे से जुड़े विवादित मुद्दों पर आपसी सहमति कायम होगी। ट्रिब्यूनल की अध्यक्ष सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति बेला एस. त्रिवेदी के समक्ष दोनों राज्यों द्वारा केंद्र की मध्यस्थता पर जताई गई रजामंदी यह दशार्ती है कि लम्बी प्रक्रियाओं की तुलना में आपसी बातचीत से मसले सुलझाना अधिक प्रभावी है। श्रीमती चौधरी ने विश्वास व्यक्त किया कि दोनों राज्यों की डबल इंजन सरकारें और केंद्र सरकार का मार्गदर्शन महानदी विवाद का ऐसा सर्वमान्य व न्यायसंगत समाधान निकालेगा, जिससे छत्तीसगढ़ के साथ-साथ ओड़िशा के जन-जन का हित सुरक्षित होगा।

पर्यावरण जागरूकता अभियान मेरा पौधा अणुव्रत के साथ

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी तत्वावधान में अणुव्रत समिति अंबिकापुर द्वारा पर्यावरण जागरूकता अभियान के अंतर्गत ₹मेरा पौधा, अणुव्रत के साथ₹ कार्यक्रम के तहत सरस्वती महाविद्यालय, सुभाषनगर, अंबिकापुर में वन महोत्सव सप्ताह के अवसर पर पौधारोपण एवं पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम सरस्वती शिशु मंदिर समिति की सह-व्यवस्थापिका श्रीमती प्रतिमा त्रिपाठी एवं राज्य प्रभारी श्रीमती मामोल कोचेटा की गरिमामयी उपस्थिति तथा महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. ऋषि सिंह के निर्देशन में संपन्न हुआ। इस अवसर पर महाविद्यालय परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य अधिक से अधिक पौधारोपण को प्रोत्साहित कर पर्यावरण संरक्षण तथा हरित, स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण के निर्माण के प्रति विद्यार्थियों एवं समाज में जागरूकता उत्पन्न करना रहा। उपस्थित सभी लोगों ने रोपित पौधों की नियमित देखभाल एवं संरक्षण का संकल्प लिया। पौधजियो टेक के साथ गुगलफर्म भरकर लगाए गए। इस अवसर पर महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक धर्मेंद्र श्रीवास्तव एनएसएस प्रभारी, किशन सारथी प्रभारी, श्री प्रवीण शर्माए, श्रीमती रानू, श्रीमती निशा, श्रीमती प्रीति शुक्ला, श्रीमती विभा दुबे, श्री पवन चौधरी, सूरज कुमार, सच्चिदानंद, आयुष सिन्हा, अभिनेश चौधरी एवं तोलेश्वर राजवाड़े सहित महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी लोगों ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने तथा अधिक से अधिक पौधे लगाने एवं लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का संदेश रहा कि ₹वन महोत्सव सप्ताह से शुरूआत, हरित भविष्य तक निरंतर प्रयास₹ के माध्यम से हम सभी मिलकर पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

पे-डेटा ट्रांसफर के बदले एक लाख की रिश्वत लेते सिविल सर्जन गिरफ्तार

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सक्ती, । पे-डेटा तैयार कर सीएमएचओ कार्यालय भेजने के एवज में एक लाख रुपये की रिश्वत लेते सक्ती जिला अस्पताल के प्रभारी सिविल सर्जन संतोष कुमार पटेल को एंटी करप्शन ब्यूरो बिलासपुर की टीम ने रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ धारा 7, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 के तहत कार्रवाई की जा रही है। जानकारी के मुताबिक, जिला अस्पताल सक्ती में अटैचमेंट पर कार्यरत फार्मासिस्ट ग्रेड-2 गंगा प्रसाद रत्नाकर ने एसीबी बिलासपुर में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि उनकी मूल पदस्थापना सीएमएचओ कार्यालय पोरथा में है और फरवरी 2026 से वे जिला अस्पताल सक्ती में अटैचमेंट पर सेवाएं दे रहे हैं। आरोप है कि प्रभारी सिविल सर्जन उनके मई और जून 2026 सहित फरवरी से जून तक के पे-डेटा को सीएमएचओ कार्यालय भेजने के लिए हर महीने 20 हजार रुपये के हिसाब से कुल एक लाख रुपये की रिश्वत मांग रहे थे। शिकायत का सत्यापन करने के बाद एसीबी ने ट्रैप की योजना बनाई। 23 जुलाई की रात करीब 9 बजे आरोपी रिश्वत की रकम लेने डभरा कॉलेज मोड़ के पास पहुंचा। शिकायतकर्ता के स्कॉर्पियो वाहन में बैठकर जैसे ही उसने एक लाख रुपये की रिश्वत ली, पहले से घात लगाए एसीबी अधिकारियों ने उसे मौके पर दबोच लिया। एसीबीह की कार्रवाई के बाद स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है। मामले में आरोपी से पूछताछ और आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प विकास बोर्ड की अध्यक्ष ने शिल्पनगरी में 40 शिल्पियों को वितरित किए आधुनिक टूल किट

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर।छत्तीसगढ़ राज्य हस्तशिल्प विकास बोर्ड की अध्यक्ष श्रीमती शालिनी राजपूत ने गुरुवार को कोंडागांव स्थित शिल्पनगरी का दौरा कर शिल्पकारों से आत्मीय संवाद किया। इस दौरान उन्होंने जिले के 40 शिल्पियों को आधुनिक टूल किट वितरित किए। इसमें 20 बेलमेटल एवं 20 लौहशिल्प के शिल्पकार शामिल हैं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्रीमती राजपूत ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य शासन स्थानीय कला, संस्कृति और पारंपरिक शिल्प के संरक्षण, संवर्धन तथा शिल्पकारों के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि कोंडागांव की शिल्पकला जिले की विशिष्ट पहचान है, जिसे राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाने के लिए सभी को मिलकर कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि शिल्पकार अपनी कलाकृतियों को व्यापक बाजार उपलब्ध कराने के लिए शबरी एम्पोरियम एक माध्यम है। साथ ही आधुनिक तकनीकों का प्रशिक्षण लेकर बाजार की मांग के अनुरूप उत्पाद तैयार करें, ताकि उनकी आय में वृद्धि हो सके। उन्होंने कहा कि शिल्पकारों को केवल प्रोत्साहन देना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें आधुनिक बाजार से जोड़कर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना भी आवश्यक है। बोर्ड की अध्यक्ष ने बताया कि छत्तीसगढ़ राज्य हस्तशिल्प विकास बोर्ड शिल्पकारों द्वारा निर्मित उत्पादों की बेहतर ब्रांडिंग, आकर्षक पैकेजिंग और प्रभावी विपणन के लिए लगातार कार्य कर रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से आधुनिक तकनीकों का समावेश करते हुए शिल्पकारों की आवश्यकताओं के अनुरूप हरसंभव सहयोग उपलब्ध कराएं। नगरपालिका अध्यक्ष श्री नरपति पटेल ने कहा कि कोंडागांव अपनी समृद्ध पारंपरिक शिल्पकला के कारण शिल्पनगरी के नाम से प्रसिद्ध है। उन्होंने विश्वास जताया कि आधुनिक टूल किट शिल्पकारों के कार्य को अधिक सुगम, गुणवत्तापूर्ण और प्रतिस्पर्धी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इस अवसर पर श्रीमती लक्ष्मी ध्रुव, सुश्री सोनामणि पोयाम, श्रीमती सुषमा खोब्रागड़े, श्री कुलवंत चहल, श्री जितेन्द्र सुराना, श्री दयाराम पटेल, श्री नागेश देवांगन एवं हस्त शिल्प कोण्डागांव के सहायक प्रबंधक श्री आर. डी. खूंटे सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में शिल्पकार उपस्थित रहे।

युवराज जयप्रताप से छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड की टीम और इंफ्लुएंसर्स की सार्थक चर्चा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर।छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, ऐतिहासिक धरोहरों और प्राकृतिक पर्यटन स्थलों को वैश्विक पहचान दिलाने की दिशा में छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड लगातार नवाचारपूर्ण प्रयास कर रहा है। इसी कड़ी में कांकेर के ऐतिहासिक कांकेर पैलेस में आज छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड की टीम तथा राज्य के विभिन्न जिलों से आए डिजिटल कंटेंट क्रिएटर्स (इंफ्लुएंसर्स) ने कांकेर पैलेस के युवराज श्री जयप्रताप से सौजन्य भेंट की। यह मुलाकात प्रदेश में हेरिटेज टूरिज्म को नई दिशा देने, कांकेर की ऐतिहासिक धरोहरों को व्यापक पहचान दिलाने तथा बस्तर अंचल की पर्यटन संभावनाओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने की दृष्टि से महत्वपूर्ण रही। भेंट के दौरान युवराज श्री जयप्रताप ने कांकेर रियासत के गौरवशाली इतिहास, राजमहल की स्थापत्य कला, स्थानीय संस्कृति तथा क्षेत्र की विशिष्ट परंपराओं की जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि कांकेर केवल ऐतिहासिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि प्राकृतिक सौंदर्य, जनजातीय संस्कृति और सांस्कृतिक विविधता के कारण भी पर्यटकों के लिए अत्यंत आकर्षक गंतव्य है। उन्होंने कहा कि विरासत स्थलों का संरक्षण और उनका प्रभावी प्रचार-प्रसार पर्यटन विकास की महत्वपूर्ण आधारशिला है। बैठक में विशेष रूप से कांकेर और आसपास के ऐसे कम चर्चित पर्यटन स्थलों पर विस्तार से चर्चा की गई, जिनमें पर्यटन की अपार संभावनाएं मौजूद हैं, लेकिन अभी तक वे व्यापक स्तर पर पर्यटकों की पहुंच से दूर हैं। इन स्थलों को डिजिटल माध्यमों के जरिए देश-विदेश के यात्रियों तक पहुंचाने, उनकी विशिष्टताओं को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने तथा उन्हें पर्यटन मानचित्र पर स्थापित करने के लिए अनेक सुझाव सामने आए। यह भी विचार किया गया कि प्राकृतिक पर्यटन, धार्मिक पर्यटन, साहसिक पर्यटन और विरासत पर्यटन को एकीकृत रूप से विकसित कर कांकेर को एक बहुआयामी पर्यटन गंतव्य के रूप में स्थापित किया जा सकता है। राज्य के विभिन्न जिलों से आए डिजिटल कंटेंट क्रिएटर्स ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि छत्तीसगढ़ के कम चर्चित लेकिन अत्यंत मनोहारी पर्यटन स्थलों, स्थानीय लोक संस्कृति, जनजातीय जीवन, पारंपरिक कला, खान-पान और प्राकृतिक सौंदर्य को रचनात्मक वीडियो, फोटोग्राफी और डिजिटल स्टोरीटेलिंग के माध्यम से देश और दुनिया के सामने प्रस्तुत किया जा सकता है। इससे न केवल पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी, बल्कि स्थानीय समुदायों को भी प्रत्यक्ष आर्थिक लाभ मिलेगा। बैठक के दौरान हेरिटेज टूरिज्म को बढ़ावा देने, ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण, स्थानीय समुदाय की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने तथा पर्यटन आधारित रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर विकसित करने पर भी सकारात्मक चर्चा हुई। इंफ्लुएंसर्स ने विश्वास व्यक्त किया कि उनके डिजिटल मंचों के माध्यम से कांकेर और समूचे बस्तर अंचल की अनूठी पर्यटन पहचान लाखों लोगों तक पहुंचेगी और प्रदेश के पर्यटन को नई गति मिलेगी। युवराज श्री जयप्रताप ने भी छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि डिजिटल माध्यमों के जरिए प्रदेश की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत को नई पहचान दिलाने का यह प्रयास निश्चित रूप से सार्थक सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि यदि स्थानीय विरासत, इतिहास और प्राकृतिक धरोहरों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया जाए तो कांकेर आने वाले वर्षों में देश के प्रमुख हेरिटेज पर्यटन स्थलों में अपनी विशिष्ट पहचान बना सकता है।

सम्पादकीय

सरकार जल्द शुरू करे युवाओं के साथ संवाद

देश की सबसे बड़ी ताकत और उम्मीद उसकी युवा आबादी है, लेकिन जब यही युवा सड़कों पर उतरकर अपनी बात कहने को मजबूर हों, लंबे समय तक आंदोलन करें, अनशन का सहारा लें और उनकी मांगों पर लगातार टकराव का माहौल बने, तो यह केवल कानून-व्यवस्था का विषय नहीं रह जाता। यह सरकार, राजनीतिक दलों और लोकतांत्रिक संस्थाओं के लिए आत्ममंथन का विषय बन जाता है। इसलिए अब समय आ गया है कि सरकार युवाओं के साथ संवाद की पहल बिना किसी देरी के शुरू करे और उनकी समस्याओं का समाधान कर उन्हें विश्वास में ले। परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं, भर्ती प्रक्रियाओं में पारदर्शिता और शिक्षा व्यवस्था में सुधार को लेकर उठे सवाल लाखों छात्रों की चिंता से जुड़े हैं। इन मुद्दों का समाधान केवल पुलिस बल, राजनीतिक बयानबाजी या एक-दूसरे पर आरोप लगाने से नहीं निकल सकता। यदि युवाओं को यह महसूस होने लगे कि उनकी बात सुनने वाला कोई नहीं है, तो असंतोष और अविश्वास बढ़ना स्वाभाविक है। लोकतंत्र में असहमति को सुनना कमजोरी नहीं, बल्कि परिपक्वता का परिचायक है। वहीं, विपक्ष भी युवाओं के भविष्य पर राजनीति नहीं करे, बल्कि तथ्यों और समाधान पर बात करे और संसद में भी जनहित की आवाज उठाए। संयम, संवाद और संवैधानिक मर्यादा बनाए रखना जरूरी है। सरकार भी परीक्षा प्रणाली को सुव्यवस्थित, पारदर्शी और विश्वसनीय बनाए, ताकि देश का युवा आसानी से परीक्षा दे सके और किसी तरह की परेशानी न हो। सोनम वांगचुक का लंबा अनशन भी इसी चिंता का प्रतीक है। विपक्षी सांसदों ने उनसे अनशन समाप्त करने का आग्रह करते हुए भरोसा दिलाया है कि युवाओं के मुद्दे संसद में उठाए जाएंगे। यह सकारात्मक संकेत है, लेकिन केवल आश्वासन पर्याप्त नहीं होंगे। संसद में गंभीर चर्चा, समयबद्ध निर्णय और ठोस सुधारात्मक कदम ही इस भरोसे को मजबूत कर सकते हैं। लोकतंत्र में संसद से बेहतर संवाद का कोई मंच नहीं हो सकता। डिजिटल युग में जानकारी तेजी से फैलती है और किसी भी घटना पर युवाओं की प्रतिक्रिया भी तुरंत सामने आती है। ऐसे समय में संवाद से दूरी केवल गलतफहमियों को बढ़ाती है। यदि सरकार समय रहते छात्र संगठनों, शिक्षाविदों, विशेषज्ञों और आंदोलन के प्रतिनिधियों के साथ खुली बातचीत शुरू करती है, तो कई विवाद बिना टकराव के सुलझ सकते हैं। वहीं, आंदोलनकारी संगठनों और विपक्ष की भी जिम्मेदारी कम नहीं है। विरोध लोकतंत्र का अधिकार है, लेकिन वह पूरी तरह शांतिपूर्ण और संवैधानिक दायरे में होना चाहिए। किसी भी आंदोलन का उद्देश्य समाधान होना चाहिए, न कि ऐसा टकराव जिसमें आम जनता परेशान हो और मूल मुद्दा ही पीछे छूट जाए। सरकार और विपक्ष दोनों को यह समझना होगा कि युवाओं के भविष्य पर राजनीति से अधिक राष्ट्रीय सहमति की आवश्यकता है। आज देश की शिक्षा व्यवस्था को केवल परीक्षा आयोजित करने वाली प्रणाली नहीं, बल्कि विश्वास पैदा करने वाली प्रणाली बनाने की जरूरत है। यदि परीक्षा निष्पक्ष होगी, भर्ती समय पर होगी और शिकायतों के निवारण की प्रभावी व्यवस्था होगी, तो आंदोलनों की नौबत भी कम आएगी। लोकतंत्र की असली ताकत संवाद में होती है, दमन या टकराव में नहीं। सरकार को चाहिए कि वह जल्द युवाओं से औपचारिक बातचीत शुरू करे, उनकी आशंकाओं को दूर करे और शिक्षा व्यवस्था में सुधार की स्पष्ट समयसीमा घोषित करे।

मुद्दा

अवधेश कुमार

दिशाहीन विरोध प्रदर्शनों की भयावहता

राजधानी दिल्ली में 20 मार्च को हजारों लोगों की जुटी आक्रामक भीड़ हमें एक साथ कई पहलुओं पर विचार करने को बाध्य करती है। कॉकरोच शब्द का प्रयोग उच्चतम न्यायालय ने किया। बाद में स्वयं मुख्य न्यायाधीश ने इसके बारे में अपना स्पष्टीकरण भी दिया, किंतु कॉकरोच केंद्र सरकार के विरुद्ध विरोध का कारण बन गया। क्यों और कैसे? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के किसी प्रतिनिधि ने न कॉकरोच शब्द का प्रयोग किया और न उच्चतम न्यायालय की टिप्पणी का समर्थन। लगभग देश के लिए एक अनाम व्यक्ति ने अमेरिका से सोशल मीडिया पर कॉकरोच जनता पार्टी नाम से साइट बनाई। जो कुछ उसमें लिखा जा रहा था, न वहां कोई गंभीर विजन था, न कोई सपना।

राजधानी दिल्ली में 20 मार्च को हजारों लोगों की जुटी आक्रामक भीड़ हमें एक साथ कई पहलुओं पर विचार करने को बाध्य करती है। कॉकरोच शब्द का प्रयोग उच्चतम न्यायालय ने किया। बाद में स्वयं मुख्य न्यायाधीश ने इसके बारे में अपना स्पष्टीकरण भी दिया, किंतु कॉकरोच केंद्र सरकार के विरुद्ध विरोध का कारण बन गया। क्यों और कैसे? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के किसी प्रतिनिधि ने न कॉकरोच शब्द का प्रयोग किया और न उच्चतम न्यायालय की टिप्पणी का समर्थन। लगभग देश के लिए एक अनाम व्यक्ति ने अमेरिका से सोशल मीडिया पर कॉकरोच जनता पार्टी नाम से साइट बनाई। देखते-देखते लाखों फॉलोअर्स उसमें जुड़ गए। जो कुछ उसमें लिखा जा रहा था, न वहां कोई गंभीर विजन था, न कोई सपना। अचानक वह दिल्ली में प्रदर्शन की घोषणा करते हैं और हवाई अड्डे पर उतरते हैं। हवाई अड्डे पर भी उनके स्वागत के लिए कोई भीड़ नहीं, न रास्ते में कहीं लोग। जंतर-मंतर पर पहले दिन का प्रदर्शन अत्यंत सामान्य रहा और उसमें शामिल होने वालों से ज्यादा दर्शकों की संख्या थी। सभी तरह के और सभी विचारधाराओं के लोग उसमें थे। लेकिन धीरे-धीरे ऐसी स्थिति बनी कि सोनम वांगचुक लद्दाख से आकर आमरण अनशन पर बैठ गए। कुछ सेलिब्रिटी आने लगे। विपक्ष के कुछ नेता आने लगे और धीरे-धीरे हुए वे सारे चेहरे जो शाहीनबाग से लेकर किसानों के नाम पर हुए आंदोलन या फिर अन्य ऐसे विरोध प्रदर्शनों में लगातार दिखते हैं।

संसद के मानसून सत्र के आरंभ के दिन संसद मार्च का ऐलान हुआ और फिर जिस तरह की भीड़ चारों तरफ जुटी, वह देश के सामने है। इस मार्च में प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से शामिल लोग कुछ भी कहें, पर एक नेतृत्वविहीन दिशाहीन अभियान का डरावना दृश्य देश ने देखा। भारी संख्या में पुलिस वाले घायल हुए, पुलिस के वाहन तोड़े गए और पुलिस के बल प्रयोग से प्रदर्शनकारी भी घायल हुए। इसमें दो राय नहीं कि नीट का प्रश्न पत्र लीक होने के कारण युवाओं के परिवारों और देश में भी क्षोभ व असंतोष का वातावरण था। आरंभ में ऐसा लगा भी कि यह नीट के छात्रों के भविष्य की लड़ाई है। इसी बीच एक महिला ने अभिजीत दीपके पर काली स्याही फेंकी। उसका कहना था कि मेरे बेटे ने 680 अंक नीट में प्राप्त किए और लीक होने के बाद वह डिप्रेशन में चला गया, लेकिन यहां नीट कोई मुद्दा ही नहीं है। उसका यह भी कहना था कि सोनम वांगचुक यहां आमरण अनशन पर हैं और कोई भी वरिष्ठ व्यक्ति आंदोलन का उनका ध्यान रखने वाला नहीं है। अजीब दृश्य। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के मरने का नारा और योगी आदित्यनाथ को छक्का कहा जा रहा है। पूरी स्थिति वही है जो हमने शाहीनबाग और फिर किसानों के नाम पर दिल्ली में हुए लंबे धरना प्रदर्शन में देखा था। इस बीच सरकार ने नीट परीक्षा सफलतापूर्वक पूरी कर ली और उसके परिणाम भी आ गए। प्रश्न पत्र से लेकर पूरी परीक्षा और परिणाम तक जैसी सख्त व सुरक्षित व्यवस्था की गई, उससे साफ था कि सरकार के अंदर परीक्षा को स्वच्छ रूप से आयोजित करने का दृढ़ विचार है। साफ है कि दोबारा परीक्षा देने वाले जिन छात्रों का चयन नहीं हुआ होगा और पहली बार उन्होंने अच्छा किया होगा, उनको छोड़कर बाकी शेष के अंदर मन में पीड़ा होगी

लेकिन असंतोष का भाव नहीं होगा। भविष्य में नीट ही नहीं, किसी भी प्रतियोगिता परीक्षा के प्रश्न पत्र लीक नहीं हों, उसकी व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग उठाने और जो कुछ हमारे पास सुझाव हैं, उन्हें सामने रखना स्वाभाविक है। पर इस अभियान में नीट और प्रश्न पत्र लीक का विषय हाशिये पर चला गया। कुल मिलाकर इसे अगर आंदोलन बोला जाए तो न इसका कोई निश्चित उद्देश्य रहा, न कोई दुरगामी कार्यक्रम। संसद मार्च की घोषणा हो गई। ऐसी स्थिति बनी कि दिल्ली ट्रैफिक जाम में फंसी रही। मेट्रो के अनेक स्टेशनों के द्वार बंद रहे। सरकार और प्रशासन की सतह पर जो सोच और रणनीति दिखाई पड़ती है, वह यही कि प्रदर्शन करने वाले अगर कानून की परिधि में करते हैं तो उनके साथ बल प्रयोग नहीं होना चाहिए। अभिजीत दीपके जिस दिन दिल्ली में उतरे, जंतर- मंतर पर धरने की पहले से अनुमति नहीं थी। धरना देने वाले पहले पुलिस से अनुमति लेते हैं और उसकी अवधि तय होती है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में संविधान ने हमें न्याय के लिए संघर्ष करने, अपनी आवाज उठाने का अधिकार दिया है किंतु उसमें कानून के साथ विवेक और मर्यादा की सीमाएं भी हैं। यह सरकार प्रशासन और विरोध करने वालों सब पर लागू होता है। उद्देश्य कुछ और हो तो फिर ऐसे ही होता है। अगर सरकार ने आपको प्रदर्शन की स्वतंत्रता दी, बेवजह लोगों को आने से रोका नहीं गया तो उसके नेतृत्व करने वाले का दायित्व था कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में प्रदर्शन की सीमाओं का पालन करते। पर पिछले कुछ वर्षों में हमने देखा है कि पूरे विश्व में एक अराजक उग्र नव वामपंथी धारा पैदा हुई है। नेपाल परिवर्तन से उसे जेन जी का नाम दिया गया। हमारे पड़ोस श्रीलंका, बांग्लादेश और नेपाल के परिवर्तन ने हमारे यहां भी और देश से बाहर रहने वाले अवांछित समूहों को प्रेरित किया है कि भारत में ऐसा कर नरेंद्र मोदी सरकार के विरुद्ध उथल-पुथल और अराजकता की स्थिति पैदा की जा सकती है। हमारे यहां राजनीतिक और गैर राजनीतिक विपक्ष में ऐसे लोग हैं जिन्हें इसमें अवसर दिखता है। हर ऐसे विरोध प्रदर्शन आंदोलन में सच्चे परिवर्तन या मांग के समर्थन वाले लोग साफ हृदय से आते हैं।

शाहीनबाग धरने से हमने देखा है कि उसकी दिशा, भाषा और लक्ष्य ऐसे लोगों के हाथों आ जाता है, जिनका हमेशा उद्देश्य नकारात्मक होता है। याद कीजिए, सीएए के विरुद्ध कहा जा रहा था कि भारी संख्या में मुसलमानों की नागरिकता चली जाएगी। क्या आज तक किसी एक की नागरिकता गई? इस कारण दिल्ली दंगों तक का शिकार हुई। किसी परीक्षा के प्रश्न पत्र लीक हो या कोई अन्य भ्रष्टाचार के विषय हो, पूरे समाज में क्षोभ पैदा होता है। हम सबको ध्यान रखना चाहिए कि इसका लाभ अवांछित तत्व न उठा सकें। अगर इस तरह विरोध प्रदर्शन हुए तो भविष्य में सरकारों और प्रशासन के लिए इनको नियंत्रित और सीमित करने के रास्ते निर्धारित करने पड़ सकते हैं। इसमें हमारे आपके विरोध के अधिकार पर ही बंदिश लगेगी। पुलिस प्रशासन का भी दायित्व है कि उनके अधिकारों के पालन का ध्यान रखने के साथ ऐसे अवांछित तत्वों की पहले से पहचान कर कुछ पूर्वोपाय के कदम उठाए। अब सीसीटीवी खंगाले जा रहे हैं और संभव है कि आगे भी गिरफ्तारियां हों, मामले दर्ज हों। हालांकि ऐसे विरोध प्रदर्शनों में पहले किसी के विरुद्ध कोई कठोर कार्रवाई नहीं हुई, न सजा हुई। कुल मिलाकर यह चिंता का विषय है कि सुप्रीम कोर्ट के टिप्पणी के विरुद्ध सामान्य कटाक्ष से बना एक साइट प्रश्न पत्र लीक से जुड़ते हुए यहां तक पहुंच गया। ऐसा क्यों हुआ, कैसे हुआ, अगर इन प्रश्नों पर हम विचार करें तो उत्तर आसानी से मिल जाएगा। इसी से यह भी उत्तर मिलेगा कि आगे यह स्थिति कैसे पैदा न हो।

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

जयंती विशेष

कृष्ण प्रताप सिंह

चंद्रशेखर 'आजाद', जिनकी पिस्तौलों का भी इतिहास है

सन् 1919 में 13 अप्रैल को बैसाखी का दिन था और ब्रिटिश ब्रिगेडियर जनरल रेजिनाल्ड एडवर्ड हैरी डायर ने पंजाब के जलियांवाला बाग में कुख्यात रॉलेट एक्ट के विरोध में हो रही शांतिपूर्ण सभा पर बिना कोई चेतावनी दिए बेहद क्रूरतापूर्वक अंधाधुंध पुलिस फायरिंग करा दी थी। इससे जो विचलित कर देने वाला नरसंहार हुआ, उसने देश में ऐसे विकट उद्वेलन पैदा किए कि जहां देशवासी डायर को 'द बूचर ऑफ अमृतसर' कहने लगे, वहीं नौजवानों का खून उबल पड़ा। वे अहिंसा का दामन छोड़कर हर हाल में प्रतिशोध, दूसरे शब्दों में कहें तो मरने-मारने वाले सशस्त्र संघर्ष के लिए मचलने लगे। अनंतर, उनके अरमानों व आकांक्षाओं को मूर्त रूप देने के उद्देश्य से 8-9 सितंबर 1928 को दिल्ली के ऐतिहासिक फिरोजशाह कोटला मैदान में हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन नामक क्रांतिकारी संगठन गठित किया गया, जिसका उद्देश्य सशस्त्र संघर्ष के माध्यम से भारत को स्वतंत्र कराना था। इसकी स्थापना के पीछे भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु, बटुकेश्वर दत्त और भगवती चरण वोहरा जैसे क्रांतिकारियों की सुविचारित

रणनीति थी और सच पूछिए तो यह अक्टूबर, 1924 में क्रांतिकारी रामप्रसाद बिस्मिल, शचींद्रनाथ सान्याल और योगेश चंद्र चटर्जी द्वारा स्थापित 'हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन' का पुनर्गठित रूप था। इसकी आर्मी के कमांडर-इन-चीफ थे चंद्रशेखर आज़ाद, जिनकी आज 120वीं जयंती है। मध्य प्रदेश के अलीराजपुर जिले के भाबरा गांव में 1906 में आज के ही दिन यानी 23 जुलाई को जन्मे आजाद ने कमांडर-इन-चीफ के तौर पर प्रतिज्ञा कर रखी थी कि वे किसी भी हालत में कभी भी जिंदा अंग्रेजों के हाथ नहीं आएंगे और उन्होंने अंतिम सांस तक अपनी इस प्रतिज्ञा का मान रखा। उनके कमांडर-इन-चीफ रहते दिसम्बर, 1928 में सांडर्स वध, अप्रैल, 1929 में सेंट्रल असेंबली बम कांड और दिसम्बर, 1929 में वायसराय लॉर्ड इरविन की ट्रेन पर हमले जैसे क्रांतिकारी एक्शनों को अंजाम दिया गया। वे भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इकलौते ऐसे नायक हैं, जिनके साथ उनकी पिस्तौलों ने भी इतिहास बनाया है। वे आमतौर पर अपने साथ एक माउजर पिस्तौल रखा करते थे, जिसे बेहद प्यार करते और 'बमतुलबुखारा' कहा करते थे। 27 फरवरी, 1931 को वे इलाहाबाद के अल्फ्रेड पार्क में गोरों की पुलिस से मुठभेड़ में शहीद हुए तो उनके पास माउजर नहीं, बल्कि कोल्ट नामक पिस्तौल थी। लाला लाजपत राय पर लाठियां बरसाने वाले अंग्रेज अधिकारी स्कॉट की हत्या के लिए 17 दिसम्बर, 1928 के जिस क्रांतिकारी एक्शन में उसकी जगह जॉन सांडर्स को मार डाला गया था, उसमें 'आजाद' अपनी माउजर ही साथ ले गये थे। उनके बाद उनकी उस माउजर का क्या हुआ? क्रांतिकारियों की स्मृतियों की रक्षा के उपक्रमों के प्रति समर्पित और उनके आन्दोलन के इतिहास के अप्रतिम अध्येता वरिष्ठ लेखक सुधीर विद्यार्थी बताते हैं कि अरसा पहले उन्होंने इलाहाबाद के कटरा मुहल्ले में 'आजाद' के आखिरी दिन तक उनके साथ रहे गढ़वाल के क्रांतिकारी भवानी सिंह रावत की मदद से जहां-जहां भी उक्त माउजर का सुराग लगने की उम्मीद थी, वहां-वहां की खाक छानी। उसकी बाबत जानकारियां जुटाने में सफल नहीं हो सके। इसलिए 1977 में समाचारपत्रों में इस माउजर के इलाहाबाद के संग्रहालय से चोरी हो जाने की खबर छपी तो मुझे बड़ी हंसी आई। कारण यह कि जो माउजर उक्त संग्रहालय में थी ही नहीं, वह चोरी कैसे हो सकती थी?

वे बताते हैं कि शहादत के वक्त 'आजाद' के पास माउजर के बजाय 'कोल्ट' पिस्तौल थी, क्योंकि माउजर से छोटी होने के कारण वह उन्हें ज्यादा सुविधाजनक लगती थी। प्रसंगवश, इलाहाबाद के अंग्रेज एसएसपी नट बावर की सेवानिवृत्ति के वक्त गोरी सरकार द्वारा आजाद की यह कोल्ट उन्हें उपहार में दे दी गई और वे उसे अपने साथ इंग्लैंड ले गये थे। उनका दावा था कि अल्फ्रेड पार्क में आजाद को पहले उन्हीं की गोली लगी थी। सेवानिवृत्ति के बाद बावर उत्तर प्रदेश शासन के पेंशनर हुआ करते थे और शायद इसी अधिकार से बाद में 'आजाद' की 'कोल्ट' को देश वापस लाने की मांग उठने पर इलाहाबाद के कमिश्नर मुस्तफी ने बावर को उसे लौटाने के लिए पत्र लिखा था। यह कैसी विडम्बना है कि आजाद जैसे शहीद देश के लिए अपने अप्रतिम बलिदान के बावजूद भारतीयों में अपने प्रति वैसी कृतज्ञता या श्रद्धा नहीं उत्पन्न कर पाये, जैसी उन्होंने अपनी शहादत का वायस बने नट बावर जैसे अंग्रेज पुलिस अधिकारी से दो-दो हाथ करके उत्पन्न कर दी थी?

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

व्यक्ति को निखारती है आत्म-प्रतिस्पर्धा

संकलित

दर्शन

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। समाज में रहते हुए वह अनेक छोटे-बड़े लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए निरंतर प्रयत्नशील रहता है। समाज का अंग होते हुए, समाज में अपनी पहचान बनाना भी प्रत्येक व्यक्ति का एक उद्देश्य जैसा ही प्रतीत होता है। इन उद्देश्यों, लक्ष्यों व उपलब्धियों की प्राप्ति के लिए चल रहे अनवरत प्रयत्नों के फलस्वरूप एक सामाजिक प्रक्रिया जन्म लेती है। इस सामाजिक प्रक्रिया का नाम है-प्रतिस्पर्धा। यदि सरल शब्दों में कहा जाए तो बेहतर प्रदर्शन करने की तीव्र लालसा। यह लालसा एक अबोध शिशु से लेकर एक वृद्ध तक सभी में विद्यमान रहती है। वस्तुतः जब आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता पर्याप्त नहीं होती, तो प्रतिस्पर्धा स्वतः ही जन्म ले लेती है। प्रतिस्पर्धा में कदाचित विरोध व ईर्ष्या की भावनाएं भी अंतर्निहित होती हैं, किंतु ऐसी प्रतिस्पर्धा स्वस्थ नहीं कही जाती। स्वस्थ प्रतिस्पर्धा वास्तव में उत्कृष्टता का मार्ग प्रशस्त करती है। प्रतिस्पर्धा की यही विशेषता इसे संघर्ष से अलग करती है। एक अन्य विशेष बात यह है कि प्रतिस्पर्धा किसी तंत्र विशेष तक ही सीमित रहती है। एक विशेष तरह की प्रतिस्पर्धा एक विशेष तंत्र में ही दृष्टिगोचर होती है। किसी व्यक्ति के साथ आपकी प्रतिस्पर्धा केवल तभी तक रहती है, जब तक आप उसके साथ किसी तंत्र को साझा करते हैं। किसी व्यक्ति द्वारा वह तंत्र छोड़ते ही प्रतिस्पर्धा स्वतः समाप्त हो जाती है। यह आवश्यक नहीं कि प्रतिस्पर्धा सदैव दूसरे व्यक्ति के साथ ही हो। विवेकशील या विद्वान व्यक्ति की प्रतिस्पर्धा प्रायः स्वयं से होती है। उसे आत्म-प्रतिस्पर्धा कहा जाता है।

गुरु ज्ञान से किसी की भी सोच बदल सकता है

संकलित

प्रेरणा

ऋषि वशिष्ठ श्रीराम के कुलगुरु थे। इन्हीं की सलाह पर राजा दशरथ ने पुत्रेष्टि यज्ञ किया था। यज्ञ के फल से श्रीराम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न का जन्म हुआ। इन्होंने वशिष्ठ पुराण, वशिष्ठ श्राद्धकल्प, वशिष्ठ शिक्षा आदि ग्रंथों की रचना भी की। जब विश्वामित्र एक राजा थे, तब एक दिन वे शिकार खेलते-खेलते बहुत दूर निकल आए। आराम करने के लिए वे ऋषि वशिष्ठ के आश्रम में रुके थे। आश्रम में विश्वामित्र ने कामधेनु नंदिनी गाय को देखा। नंदिनी गाय को देख विश्वामित्र ने वशिष्ठ से कहा कि ये गाय आप मुझे दे दीजिए, लेकिन ऋषि वशिष्ठ ने कामधेनु को देने से मना कर दिया। राजा विश्वामित्र कामधेनु को बलपूर्वक अपने साथ ले जाने लगे। विश्वामित्र कामधेनु के लिए युद्ध तक करने के लिए तैयार हो गए थे पर तब ऋषि वशिष्ठ के कहने पर नंदिनी गाय ने विश्वामित्र सहित उनकी पूरी सेना को भगा दिया। राजा विश्वामित्र को अपने सैनिकों सहित वापस राज्य में लौटना पड़ा। ऋषि वशिष्ठ का ऐसा प्रभाव देखकर विश्वामित्र बहुत हैरान हो गए। विश्वामित्र ने सोचा कि तप में कितना बल है कि एक व्यक्ति अपने तप से सभी को प्रभावित कर सकता है। इस घटना के बाद विश्वामित्र ने राज-पाठ छोड़ दिया और तप करने लगे। वशिष्ठ जी के ज्ञान और तप के प्रभाव से विश्वामित्र की सोच बदल गई और बाद में वे भी बह्मर्षि बन गए। गुरु अपने ज्ञान और तप से किसी भी व्यक्ति की सोच बदल सकते हैं।

रेने नाबा की पुस्तक ने नई बहस को जन्म दिया, दर्शाता है गंभीर चेतावनी

सैय्यद जाहिद अली रियासत

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के 62वें सत्र के अवसर पर जिनेवा में आयोजित एक परिचर्चा समारोह में एक नई पुस्तक ने एक असहज, किंतु अत्यंत आवश्यक बहस को जन्म दिया। नामक इस पुस्तक के लेखक वरिष्ठ पत्रकार और भू-राजनीतिक विश्लेषक रेने नाबा हैं, जो ऑल्ली ऋ१ल्ली-ढश्र२री (अऋढ) की कूटनीतिक सेवा में अरब-मुस्लिम डेस्क के पूर्व प्रमुख रह चुके हैं। परमाणु अप्रसार संधि (ठढळ) की 11वीं समीक्षा सम्मेलन की विफलता, रूस-यूक्रेन युद्ध, ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ा तनाव तथा हालिया ईरान-इजराइल-अमेरिका संघर्ष की पृष्ठभूमि में इस पुस्तक में व्यक्त चेतावनियां और भी अधिक प्रासंगिक प्रतीत होती हैं। जो एक गंभीर चेतावनी को दर्शाती है नाबा की दलील का मूल आधार एक चिंताजनक वास्तविकता है। उनके अनुसार पाकिस्तान में बढ़ता कट्टरपंथ, सेना के कुछ वर्गों में वैचारिक उग्रवाद की संभावित पैठ तथा तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (ळढढ) जैसे आतंकी संगठनों की निरंतर सक्रियता ऐसे देश में हो रही है, जिसके पास परमाणु हथियार हैं। नाबा इन परिस्थितियों को अलग-अलग संकट नहीं मानते, बल्कि इन्हें एक-दूसरे से जुड़े हुए व्यापक सुरक्षा संकट के रूप में देखते हैं। यही दृष्टिकोण इस पुस्तक को विशेष महत्व प्रदान करता है। पुस्तक में नाबा ने स्पष्ट रूप से कहा हैं कि पाकिस्तान अपनी परमाणु सुरक्षा व्यवस्था को सुरक्षित बताता है, लेकिन देश के भीतर लगातार बिगड़ती परिस्थितियां इस दावे पर प्रश्नचिह्न लगाती हैं। उनके अनुसार चार प्रमुख तत्व इस खतरे को और गंभीर बनाते हैं—सामान्य नागरिकों में बढ़ता कट्टरपंथ, सेना के कुछ अधिकारियों में ऐसी विचारधारा के प्रति सहानुभूति की संभावना, ळढढ जैसे संगठनों की लगातार बनी हुई क्षमता तथा अफगानिस्तान में तालिबान की सत्ता में वापसी, जिससे ऐसे समूहों को पड़ोसी देश में फिर से सुरक्षित ठिकाने मिल गए हैं। इन चारों में से कोई भी तत्व अकेले इतना गंभीर नहीं है, लेकिन जब ये एक साथ मौजूद हों तो वे उस सुरक्षा ढांचे को धीरे-धीरे कमजोर करने लगते हैं, जिसकी गारंटी किसी परमाणु संपन्न राष्ट्र से अपेक्षित होती है। लेकिन पाकिस्तान में ऐसा नहीं दिखता, पुस्तक का सबसे अधिक चिंताजनक पक्ष ₹आंतरिक कट्टरपंथ₹ (कल्ल३ीि फ्रंह्निर३ड्डल्ल) है। किसी चौकी पर आतंकी हमला एक स्पष्ट और नियंत्रित किया जा सकने वाला खतरा होता है, लेकिन यदि परमाणु प्रतिष्ठान के भीतर कार्यरत कोई अधिकारी चुपचाप उग्रवादी विचारधारा से प्रभावित हो जाए, तो वह कहीं अधिक गंभीर जोखिम बन जाता है। नाबा के अनुसार ऐसा व्यक्ति लापरवाही, सहानुभूति या जानबूझकर सहयोग के माध्यम से उन दरवाजों को खोल सकता है, जिन्हें कोई बाहरी आतंकी कभी नहीं खोल सकता। जो किसी भयंकर खतरे का सूचक हो सकती है पुस्तक की सबसे बड़ी विशेषताओं में से एक इसका ऐतिहासिक विश्लेषण है। नाबा वर्तमान संकट की जड़ें 1970 के दशक के उत्तरार्ध और 1980 के दशक में जनरल ज़िया-उल-हक द्वारा चलाए गए इस्लामीकरण अभियान में खोजते हैं। इस अवधि में मदरसों की संख्या कुछ सौ से बढ़कर हजारों में पहुंच गई, पाठ्यक्रमों में जिहाद को प्रमुख स्थान दिया गया और धार्मिक शिक्षण संस्थान आगे चलकर उग्रवाद की वैचारिक भूमि बन गए। यह केवल धार्मिक पुनर्जागरण नहीं था, बल्कि भारत के साथ छद्म संघर्ष और अफगानिस्तान में रणनीतिक बढ़त हासिल करने के लिए राज्य की सुनियोजित नीति का हिस्सा था। सोवियत संघ के विरुद्ध अफगान जिहाद के दौरान अमेरिका और सऊदी अरब के समर्थन से विकसित इसी ढांचे ने हजारों लड़ाकों को प्रशिक्षित किया। बाद में यही नेटवर्क अफगान तालिबान और अंततः वर्ष 2007 में गठित ळढढ में विकसित हुआ। नाबा का उद्देश्य केवल इतिहास का लेखा-जोखा प्रस्तुत करना नहीं है, बल्कि यह चेतावनी देना है कि अल्पकालिक रणनीतिक लाभ के लिए बनाई गई नीतियां भविष्य में ऐसे दीर्घकालिक खतरे पैदा कर सकती हैं, जो अंततः उसी राज्य के विरुद्ध खड़े हो जाएं जिसने उन्हें जन्म दिया था। पुस्तक में एक संभावित घटनाक्रम का भी उल्लेख किया गया है, जो वैचारिक घुसपैठ से शुरू होकर सबसे खराब स्थिति में परमाणु परिसंपत्तियों पर नियंत्रण कमजोर पड़ने तक पहुंच सकता है। लगातार होने वाले हमलों से जनता का विश्वास कम होता है, राजनीतिक अस्थिरता के कारण निगरानी कमजोर पड़ती है और चरमपंथी नेटवर्क निर्णय लेने वाली संरचनाओं में धीरे-धीरे अपनी पकड़ मजबूत कर लेते हैं। नाबा इसे अनिवार्य परिणाम नहीं बताते, लेकिन उनका कहना है कि इस श्रृंखला का प्रत्येक चरण अपने आप में संभव है और इसलिए इसे गंभीरता से लिया जाना चाहिए। ठ४ूह्लीं१२३ड्डल्ल ड्ड अ२ की विशेषता यह भी है कि यह पाकिस्तान की केवल आंतरिक आलोचना तक सीमित नहीं रहती। नाबा का कहना है कि यदि पाकिस्तान की परमाणु व्यवस्था के भीतर कोई गंभीर संकट उत्पन्न होता है, तो उसका प्रभाव केवल उसकी सीमाओं तक सीमित नहीं रहेगा। ऐसी स्थिति में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर राजनयिक दबाव, सैन्य तैयारियां और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की संभावित कार्रवाई जैसी प्रतिक्रियाएं सामने आ सकती हैं। नाबा इस पूरे प्रश्न को वैश्विक परमाणु अप्रसार व्यवस्था में आई रुकावटों और एशिया में बदलते परमाणु संतुलन के व्यापक संदर्भ में रखते हुए तर्क देते हैं कि अब क्षेत्रीय स्थिरता केवल किसी एक देश का विषय नहीं रह गई है। यह पुस्तक और जिनेवा में इसके विमोचन के अवसर पर हुई चर्चा निराशावाद का संदेश नहीं देती। नाबा और परिचर्चा में शामिल विशेषज्ञों का मानना है कि जिस दिशा का उन्होंने संकेत दिया है, वह अपरिवर्तनीय नहीं है। समय रहते समन्वित कूटनीतिक प्रयास, मदरसा सुधारों को समर्थन तथा परमाणु शासन व्यवस्था की सतत निगरानी के माध्यम से स्थिति को बदला जा सकता है। नागरिक समाज और विभिन्न सामाजिक संगठनों की भी महत्वपूर्ण भूमिका है, जो इन मुद्दों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जीवित रखें, मानवीय तैयारियों को बढ़ावा दें और परमाणु सुरक्षा को केवल राष्ट्रीय नहीं बल्कि वैश्विक साझा हित का विषय बनाकर प्रस्तुत करें। इस प्रकार किसी अभियोग-पत्र की बजाय एक गंभीर चेतावनी के रूप में सामने आती है। यह पाठकों, विशेषकर नीति-निमार्ताओं से आग्रह करती है कि वे पाकिस्तान के आधिकारिक दावों से आगे बढ़कर उसकी परमाणु व्यवस्था के भीतर प्रवाहित हो रही वैचारिक धाराओं का ईमानदारी से मूल्यांकन करें। इस चेतावनी को कितनी गंभीरता से लिया जाता है, यही तय करेगा कि नाबा द्वारा व्यक्त आशंकाएं केवल पुस्तक के पन्नों तक सीमित रहेंगी या भविष्य में वास्तविक संकट का रूप धारण करेंगी जो केवल पाकिस्तान तक सीमित ना होकर वैश्विक आकार ले सकता जो मानवजाति के लिए बड़ा संकट बन सकता है,

लेखक वरिष्ठ पत्रकार है

ट्रेंड

समन्वय समितियां

मानसून के दौरान जल-जमाव की समस्या से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए, हमने दिल्ली के सभी 13 जिलों में जिला-स्तरीय समन्वय समितियां बनाई हैं। ये समितियां सभी संबंधित विभागों के बीच बेहतर तालमेल करेंगी और जल-जमाव की स्थिति आदि में तुरंत कार्रवाई करने का काम भी देखेंगी।
- **रेखा गुप्ता**, सीएम, नई दिल्ली

दोषियों को बख्शा नहीं जाएग

अनंतनाग में हुए आतंकी हमले के बाद हालात का जायजा लेने के लिए मैंने डीजीपी नलिन प्रभात से बात की। ड्यूटी के दौरान अपनी जान गंवाने वाले हेड कॉन्स्टेबल आशिक हुसैन कुरैशी के परिवार के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। इस घिनौने कृत्य के दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।
-**मनोज सिन्हा**, उप-राज्यपाल, जम्मू-कश्मीर

राहुल गांधी का व्यवहार

राहुल गांधी का व्यवहार आज पूरी तरह से अशोभनीय और निंदनीय था। विपक्ष के नेता जैसे गरिमापूर्ण पद पर होने के बावजूद, राहुल गांधी इसे गंभीरता से नहीं लेते, यह बात आज उनके व्यवहार से साफ हो गई।
- **नितिन नवीन**, अध्यक्ष, बीजेपी

अच्छी शिक्षा देना ज़रूरी

अगर हम अपने देश को विकसित और समृद्ध बनाना चाहते हैं, तो सभी बच्चों को अच्छी शिक्षा देना बहुत जरूरी है। दिल्ली के बाद, अब पंजाब में भी हमने गरीबों के बच्चों को बेहतरीन शिक्षा देना शुरू कर दिया है।
-**अरविंद केजरीवाल**, पूर्व सीएम, नई दिल्ली

खबर संक्षेप

उभरते क्रिकेटर को हनीट्रैप में फंसाया

मुंबई। महाराष्ट्र के उभरते हुए क्रिकेटर साइबर अपराधियों के हनीट्रैप जाल का शिकार हो गए हैं।

बीसीसीआई की एक राष्ट्रीय टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए यह खिलाड़ी बेंगलूरू गए हुए थे। 5 सितारा होटल में ठहरने के दौरान एक महिला ने उन्हें वॉट्सएप वीडियो कॉल पर लिया और आपत्तिजनक हालत में उनका वीडियो रिकॉर्ड कर लिया।

आवारा कुत्ते मुद्दे पर दिल्ली हाईकोर्ट सख्त

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने बृहस्पतिवार को दिल्ली सरकार और दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) से कहा कि वे सार्वजनिक स्थानों से आवारा कुत्तों को हटाने के संबंध में उच्चतम न्यायालय के निर्देशों का पालन करने के लिए उठाए गए कदमों पर एक विस्तृत रिपोर्ट दाखिल करें। न्यायमूर्ति दिनेश मेहता और न्यायमूर्ति रजनीश कुमार गुप्ता की पीठ ने यह आदेश उच्चतम न्यायालय के 19 मई के निर्देशों के बाद उच्च न्यायालय द्वारा शुरू किए गए स्वतः संज्ञान मामले में दिया।

पवन खेड़ा असम पुलिस के सामने पेश हुए

गुवाहाटी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पवन खेड़ा बृहस्पतिवार को असम पुलिस की अपराध शाखा के सामने पेश हुए। यह मामला मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की पत्नी की ओर से दर्ज कराया गया था। खेड़ा ने प्रेसवार्ता में आरोप लगाया था कि मुख्यमंत्री शर्मा की पत्नी के पास कई पासपोर्ट और देश के बाहर संपत्ति है। इसके बाद खेड़ा के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया था।

सिक्किम सुरंग हादसा 25 शव बरामद किए

गंगटोक/सिलीगुड़ी। सिक्किम के नामची जिले में हुए सुरंग हादसे में मारे गए 25 लोगों के शव बरामद कर लिए गए हैं। हालांकि, अभी तक सिर्फ 11 मृतकों की पहचान हुई है, बाकी की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। रेस्क्यू टीमों ने सुरंग में हुए हादसे के बाद फंसे बाकी मजदूरों को ढूंढने के लिए लगातार सर्च ऑपरेशन चलाया। यह सुरंग निर्माणाधीन तीस्ता स्टेज-6 हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट का हिस्सा है। अत्यंत प्रतिकूल और खतरनाक परिस्थितियों के बावजूद सुरंग के अंदर सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है।

मानसून सत्र के चौथे दिन भी नहीं थमा सदन में गतिरोध

नीट प्रश्नपत्र लीक केस में विपक्ष धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर अड़ा

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने विपक्ष से प्रश्नकाल चलने देने की अपील

लोकसभा दो बार और राज्यसभा तीन बार स्थगन के बाद दिन भर के लिए स्थगित

नई दिल्ली

नीट प्रश्नपत्र लीक मामले में प्रदर्शन करने वाले छात्रों पर पुलिस की कार्रवाई और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण बृहस्पतिवार को भी संसद के दोनों सदनों में गतिरोध कायम रहा और लोकसभा जहां दो बार के वहीं राज्यसभा तीन बार के स्थगन के बाद दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई। सरकार ने विपक्ष पर आरोप लगाया कि वह नीट प्रश्नपत्र लीक मामले में चर्चा के लिए पूर्व शर्त लगाकर इससे भाग रहा है। उसने कहा कि सरकार तत्काल चर्चा के लिए तैयार है और विपक्ष को बिना देरी के चर्चा शुरू करनी चाहिए। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा कि विपक्ष से हाथ जोड़कर अनुरोध है कि वह चर्चा में भाग ले। लोकसभा की बैठक शुरू होते ही विपक्षी सदस्य नीट प्रश्नपत्र लीक मामले को लेकर सोमवार को राजधानी में प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस की कार्रवाई सहित विभिन्न मुद्दों को उठाते हुए सरकार के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने उनसे प्रश्नकाल चलने देने की अपील करते हुए आश्वासन दिया कि प्रश्नकाल समाप्त होने के बाद वह सदस्यों को उनकी बात रखने का अवसर देंगे। लेकिन सदन में हंगामा जारी रहा।

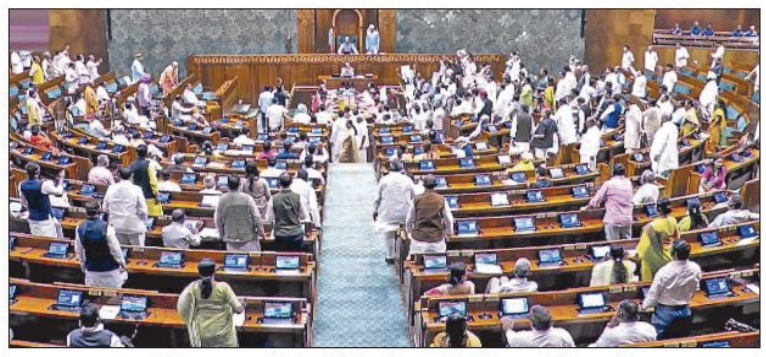

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू की अपील

विपक्ष से हाथ जोड़कर अनुरोध चर्चा में भाग लें

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा कि विपक्ष से हाथ जोड़कर अनुरोध है कि चर्चा में भाग लें। कांग्रेस समेत विपक्षी दलों के सदस्य नीट प्रश्नपत्र लीक मामले में चर्चा से पहले शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की अपनी मांग पर अड़े हैं। आज सदन की बैठक शुरू होते ही विपक्षी सदस्य नीट प्रश्नपत्र लीक मामले को लेकर सोमवार को राजधानी में प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस की कार्रवाई सहित विभिन्न मुद्दों को उठाते हुए सरकार के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने उनसे प्रश्नकाल चलने देने की अपील करते हुए आश्वासन दिया कि प्रश्नकाल समाप्त होने के बाद वह सदस्यों को उनकी बात रखने का अवसर देंगे। सदन में हंगामा थमते न देख बिरला ने कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे बोले

मोदी का बयान उकसाने वाला

राज्यसभा में बृहस्पतिवार को नेता प्रतिपक्ष एवं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रश्नपत्र लीक मामले में प्रधानमंत्री मोदी के दिए गए बयान को "उकसाने वाला" करार दिया और कहा कि जब तक शिक्षा मंत्री

धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा नहीं हो जाता, विपक्ष संसद में इस विषय पर चर्चा में भाग नहीं लेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर आज दिये गये बयान में कहा कि देश के युवाओं का कल्याण और हित सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा उनके भविष्य से खिलवाड़ करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रश्नपत्र लीक के मामलों में शामिल लोगों को जल्द से जल्द कठोर दंड देने के लिए सरकार ने त्वरित अदालतें स्थापित करने का फैसला किया है।

शाह ने लोकसभा अध्यक्ष बिरला से मुलाकात की

नई दिल्ली (भाषा)। नीट प्रश्नपत्र लीक मामले को लेकर संसद में गतिरोध के बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात की। सूत्रों के मुताबिक हंगामे के कारण लोकसभा की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित होने के बाद शाह ने बिरला से मुलाकात की। इससे पहले कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव समेत विपक्ष के वरिष्ठ नेताओं ने लोकसभा अध्यक्ष से मुलाकात की थी। तृणमूल कांग्रेस नेता सौगत रॉय, महुआ मोइत्रा आदि भी इस बैठक में उपस्थित थे। बिरला ने आज प्रश्नकाल के दौरान विपक्षी नेताओं से कहा था कि वह नीट प्रश्नपत्र लीक के मुद्दे पर चर्चा की तारीख और अवधि तय करने के लिए उनसे मिलें।

लोस में सरकार का जवाबः पेट्रोल में 20 फीसदी से अधिक एथेनॉल मिश्रण पर फिलहाल फैसला नहीं

केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया है कि पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण को फिलहाल 20% (ई20) से आगे बढ़ाने का कोई निर्णय नहीं लिया गया है। लोकसभा में पेट्रोलियम राज्य मंत्री सुरेश गोपी ने बताया कि भविष्य में ऐसा कोई भी फैसला व्यापक वैज्ञानिक अध्ययन और ऑटोमोबाइल निर्माताओं से सलाह के बाद ही होगा। सरकार के अनुसार, देश में 5 करोड़ से अधिक वाहन ई20 ईंधन पर चल रहे हैं। वाहन निर्माताओं के सर्विस रिकॉर्ड्स में एथेनॉल की वजह से इंजन खराबी या घिसाव का कोई प्रमाण नहीं मिला है।

नीट प्रश्नपत्र लीकः देश भर में प्रदर्शन हो रहे

उद्धव-राज छात्रों के समर्थन में मुंबई में मोर्चा निकालेंगे

मुम्बई

शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) अध्यक्ष राज ठाकरे ने बृहस्पतिवार को घोषणा की कि वे प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस की कथित ज्यादतियों और नीट प्रश्नपत्र लीक को लेकर छात्रों एवं उनके अभिभावकों की 'गहरी चिंता' को व्यक्त करने के लिए 26 जुलाई को मुंबई में मोर्चा निकालेंगे।

राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) प्रश्नपत्र लीक को लेकर देश भर में प्रदर्शन हो रहे हैं। उद्धव ने संवाददता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार निष्ठुर हो गई है लेकिन छात्र अब किसी से डरने वाले नहीं हैं।

सरकार निष्ठुर हो गई है, छात्र अब किसी से भी डरने वाले नहीं

उन्होंने कहा कि क्या प्रधानमंत्री उन पुलिसकर्मियों की जिम्मेदारी लेंगे जिन्होंने छात्रों से मारपीट की और महिला प्रदर्शनकारियों के कपड़े फाड़े? लोग वर्षों से दबे अपने आक्रोश को जाहिर करना चाहते हैं और हम उन्हें उसके लिए एक मंच उपलब्ध करा रहे हैं।'

ईपीएफओ अधिकारी को घुस लेते सीबीआई ने दबोचा

नई दिल्ली

आरोपी ने शिकायतकर्ता को फोन कर चंडीगढ़ स्थित क्षेत्रीय कार्यालय में बुलाया था

सीबीआई ने कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के एक प्रवर्तन अधिकारी को 2.5 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अधिकारी की पहचान शुभम त्यागी, प्रवर्तन अधिकारी, ईपीएफओ जिला कार्यालय, पटियाला (पंजाब) के रूप में हुई है। इसके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि ईपीएफ सलाहकार (कंसल्टेंट) के मुवक्किल के खिलाफ कर्मचारी भविष्य निधि एवं विविध उपबंध अधिनियम, 1952 की धारा 7ए के तहत जांच चल रही थी। जांच के दौरान शिकायतकर्ता ने सभी आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध करा दिए थे। आरोपी ने शिकायतकर्ता को फोन कर 21 जुलाई को चंडीगढ़ स्थित क्षेत्रीय कार्यालय में बुलाया। यहां हुई मुलाकात के दौरान उसने जांच को कम से कम आकलन और न्यूनतम जुर्माने के साथ बंद कराने के एवज में 4 लाख की रिश्वत की मांग की। शिकायत मिलने के बाद सीबीआई ने 22 जुलाई को जाल बिछाया। कार्रवाई के दौरान आरोपी अधिकारी को शिकायतकर्ता से 2.5 लाख रुपये की रिश्वत मांगते और स्वीकार करते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी के बाद शुभम त्यागी को गुरुवार को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

चित्रकूट के जंगल में नीट की छात्रा से तीन ने किया गैंगरेप

एजेंसी चित्रकूट

उत्तर प्रदेश के चित्रकूट में देवांगना घाटी में घूमने आई नीट की 20 वर्षीय छात्रा के साथ तीन युवकों ने गैंगरेप किया। दरिंदों ने खुद को वनकर्मी बताकर पहले छात्रा के 17 साल के बॉयफ्रेंड को बेल्ट से पीटा और उसे बंधक बना लिया।

इसके बाद वे छात्रा को झाड़ियों में घसीट ले गए और गैंगरेप को अंजाम दिया। वारदात के 24 घंटे बाद भी आरोपी पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं। मध्य प्रदेश के सतना की रहने वाली यह छात्रा राजस्थान के कोटा में रहकर नीट की तैयारी करती है। बुधवार दोपहर वह चित्रकूट के रहने वाले अपने बॉयफ्रेंड (जो 12वीं का छात्र है) के साथ देवांगना घाटी में घूमने गए थे। दोनों पहाड़ी पर बैठे थे, तभी बाइक सवार तीन लड़के वहां आ धमकाने लगे और अपने को वन विभाग का कर्मचारी बताते हुए उन्हें ब्लैकमेल करने लगे।

पैसे नहीं देने पर किया रेप

जब दोनों ने पैसे देने से मना कर दिया तो आरोपियों ने उनसे मारपीट करना शुरू कर दिया। छात्रा के साथ बैड टच करने लगे। नाबालिग लड़के को हाथ बांधकर एक आरोपी लड़के के पास बैठा रहा। दो लड़की को झाड़ियों के अंदर ले जाकर उसके साथ बारी-बारी से दोनों लड़कों ने गैंगरेप किया। बॉयफ्रेंड ने पुलिस को बताया कि विरोध करने पर और आरोपियों पीड़ित युवती की पिटाई की. पीड़ित लड़का जब आरोपियों के चुंगल से छूटा तो उसने 112 पर पुलिस को फोन कर सूचना दी।

दिल्ली में स्कूटर की बैटरी फटने से तीन भाई घायल

नई दिल्ली (भाषा)। दिल्ली के अशोक विहार इलाके में बृहस्पतिवार सुबह एक झुग्गी के अंदर चार्ज हो रही इलेक्ट्रिक स्कूटर की बैटरी में कथित तौर पर विस्फोट होने से तीन भाई झुलस गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, यह घटना सुबह करीब सात बजे उत्तर पश्चिम दिल्ली के एसएस नगर इलाके में हुई। अधिकारियों ने बताया कि जब बैटरी में विस्फोट हुआ और इस कारण आग लगी, उस वक्त 45-वर्षीय विजय झुग्गी में सो रहा था। घटना के समय परिवार के बाकी सदस्य झुग्गी के बाहर थे। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि आग बुझाने और बचाव की कोशिशों के दौरान विजय और उनके भाई अजय (35) एवं बिरजू (23) झुलस गए। पीड़ितों को पहले दीपचंद बंधु अस्पताल ले जाया गया, जहां से उन्हें लोक नायक अस्पताल भेज दिया गया। पुलिस ने बताया कि उनका इलाज चल रहा है और उनकी हालत स्थिर है। हालांकि, विजय और बिरजू ज़्यादा बुरी तरह झुलस गए हैं।

■ यह घटना सुबह करीब सात बजे हुई, दो की हालत गंभीर

तृणमूल सांसद को अंतरिम राहत नहीं

अभिषेक की याचिका सुनने से हाई कोर्ट ने किया इनकार

कोलकाता। तृणमूल सांसद अभिषेक बनर्जी को कलकत्ता उच्च न्यायालय में एक बार फिर झटका लगा। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने तृणमूल सांसद अभिषेक बनर्जी की याचिका पर सुनवाई नहीं की। उन्हें एक मामले में संरक्षण मिला था। बाद में, डायमंड हार्बर से तृणमूल सांसद अभिषेक बनर्जी ने संरक्षण की मांग करते हुए फिर उच्च न्यायालय का रुख किया। हालांकि, इस बार उन्हें संरक्षण नहीं मिला। न्यायमूर्ति सौगता भट्टाचार्य ने आदेश दिया कि अभिषेक बनर्जी पर दर्ज विभिन्न एफआईआर पर फिलहाल कोई संरक्षण नहीं दिया जाएगा।

आठ एफआईआर दर्ज

राज्य भर में विभिन्न स्थानों पर अभिषेक बनर्जी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई हैं। अदालत ने पूछा था कि सांसद के खिलाफ कितनी एफआईआर दर्ज की गई हैं? फिर, गुरुवार को सुनवाई के दौरान, राज्य सरकार ने न्यायाधीश को बताया कि कुल आठ एफआईआर हैं। अभिषेक के वकील कपिल सिबल ने इन मामलों के लिए अलग-अलग सुरक्षा की मांग की।

अंडे फेंके जाने से मुझे संरक्षण चाहिए : मोइत्रा

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा ने अपने ऊपर कथित तौर पर अंडे फेंके जाने की घटनाओं को लेकर कलकत्ता हाई कोर्ट से सुरक्षा की मांग की है। उनकी याचिका पर गुरुवार को सुनवाई हुई। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 29 को तय की है। महुआ की ओर से

पेश अधिवक्ता ने अदालत में कहा कि सांसद जहां भी जा रही हैं, वहां उन्हें निशाना बनाकर अंडे फेंके जा रहे हैं। उन्होंने पुलिस को सुरक्षा देने और ऐसी घटनाओं को रोकने का निर्देश देने की मांग की।

सरकार के प्रतिनिधि गाड़ी का कर रहे दुरुपयोग पुलिस खामोश

चित्रकूट। बांदा चित्रकूट संसदीय क्षेत्र है जिसमें एक सांसद कई विधायक हैं। जनपद चित्रकूट में विधायक एक गाड़ी से चलते हैं तो उनकी 10 से 12 गाड़ियों में विधायक कौन लिखा देता है। विधायक के सगे रिश्तेदार दोस्त और परिवार हूटर बजाते हैं विधायक लिखी गाड़ियों में फरार्टा मार रहे हैं। चित्रकूट जनपद की पुलिस लगता है इतनी मीठी है कि जनता उल्टा पुलिस को खा रही है। जनपद में लगभग 200 गाड़ियों में हूटर लगा हुआ है। किसी को दुश्मनी बस काला शीशा गाड़ी में चलने का आदेश है तो चार गाड़ियों में काला शीशा के आड़ में अपराध कर रहे हैं। जनपद में खनिज वाहन 100 की स्पीड में दौड़ रहे हैं जबकि स्पीड 60 होनी चाहिए जिसके कारण दुर्घटनाएं हो रही हैं। जनपद में वाहनों द्वारा प्रदेशों दूसरे प्रदेशों से गांजा आ रहा है पुलिस पैसा लेकर के गांजा का धंधा खुलेआम करवा रही है।

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग०

रा०प्र०क्र०-/अ-6/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदकगण ओम प्रकाश सिन्हा, वेद प्रकाश सिन्हा, जय प्रकाश सिन्हा, शिव प्रकाश सिन्हा आ.स्व. रामकृष्ण प्रसाद, सभी जाति कायस्थ निवासी मोहल्ला सत्तीपारा अम्बिकापुर, तह० अ०पुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा तदाशय का आवेदन प्रस्तुत किया गया है, कि आवेदकगण की माता स्व. विमला देवी (निर्मला देवी) के स्वामित्व व अधिपत्य की नगर अ०पुर मोहल्ला सत्तीपारा शीतला वार्ड स्थित प्लॉट नंबर 3377/2 रकबा 3050 वर्गफीट भूमि है। आवेदकगण की माता श्रीमती विमला देवी की मृत्यु दिनांक 31.01.2026 को हो गई तद्धपरांत आवेदित भूखण्ड से मृत्तक विमला देवी का नाम विलोपित कर उनके उत्तराधिकारियों के नाम से फौती नामांतरण किये जाने हेतु आवेदकगण द्वारा मृत्त्व विमला देवी के मृत्यु प्रमाण पत्र की छायाप्रति सहित आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त सबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 10/08/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक- 24/07/2026 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा०प्र०क्र०/अ-20(3)/2025-28

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदकगण मिलिन्द मोहन पाराशर आ० विनय मोहन पाराशर निवासी सरगबुदिया बस्ती एवं रेल कॉलोनी तहसील बरपाली, जिला कोरबा, श्रीमती स्वाती नायक पति मनीष नायक, निवासी जामपारा, नावागांव तहसील कटघोरा, श्रीमती कृतिरानी गोभिल पति अविनाश गोमिल, निवासी प्रगतिनगर, दीपका तहसील दीपका, जिला कोरबा, श्रीमती तृत्वीरानी पाराशर आ० विनय मोहन पाराशर, चित्रा देवी पति विनय मोहन पाराशर, निवासी सरगबुदिया बस्ती एवं रेल कॉलोनी तहसील बरपाली, जिला कोरबा द्वारा मुख्तारआम- दिनेश प्रताप सिंह ठाकुर आ० स्व० ईश्वरीय सिंह, निवासी राजेन्द्रप्रसाद नगर, फेस 1 कोसाबाड़ी कोरबा, जिला कोरबा द्वारा अपने स्वामित्व की शीट नम्बर-03 मोहल्ला अंधारी बगीचा, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूखण्ड कमांक 1145/1 रकबा 3811.3 वर्गफीट भूमि में से रकबा 1428 वर्गफीट भूमि व उस पर निर्मित आवासीय मकान को अनावेदिका/केता श्रीमती किरण सिंह पति रविन्द कुमार सिंह, निवासी गुदरी बाजार अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा के पास बिकय करने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु मेन्टनेन्स खसरा प्रतिलिपि, शपथ पत्र सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 27.07.2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- 09.07.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ०ग०)

रा०प्र०क्र0 202204020700016/31-27/2021-22

फर्द बटवारा का अंतिम प्रकाशन

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि इस न्यायालय के रा०प्र०क्र0 202204020700016/31-27/2021-22 पक्षकार फुलकुवेर प्रति दिनेश्वर वगै. में ग्राम चिताबहार स्थित खसरा नंबर 203, 294/1, 247/2, 248/1, 257/1, 257/6. 337/3, 447, 452/2, 454/3, 580, 597/1, 598, 614/1, 631/1, 635/3, 661/2 रकबा क्रमशः 0.012, 0.038, 0.009, 0.023, 0.004, 0.033, 0.054, 0.162, 0. 146, 0.254, 0.182, 0.088, 0.129, 0.384, 0.068, 0.116, 0.081 हे. भूमि का फर्द बंटवारा सूची हल्का पटवारी से प्राप्त हुआ है, जिसका अंतिम प्रकाशन कराया जा रहा है। अतः उक्त फर्द बटवारा में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 05/08/2026 को न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 20/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी

तहसीलदार
अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०)

रा०प्र०क्र०-/ब-121/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक आरती ठाकुर पति अशोक ठाकुर जाति नाई निवासी दरीपारा अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग० के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि ग्राम हर्राटिकरा स्थित भूमि खसरा नंबर 1/79 रकबा 0. 033 हे0 मेसे रकबा 0.014 हे0 भूमि को अनावेदक महिमा चंद्रा पति योगेश कुमार ठाकुर जाति नाई निवासी ग्राम सनावल तहसील रामचन्द्रपुर जिला बलरामपुर रामानुजगंज छ0ग0 के पास निजी कार्य हेतु रूपयो की आवश्यकता होने के कारण अंकन राशि 5,00,000/- मे सौदा तय कर बिक्री अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुंजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो जांच एवं प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 10.08.2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते तहय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- 14/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

तहसीलदार
अम्बिकापुर

इस्कॉन की भव्य जगन्नाथ रथ यात्रा आज, धर्मक्षेत्र कुरुक्षेत्र नगरी मे सजकर तैयार

संवाददाता

कुरुक्षेत्र। धर्मक्षेत्र कुरुक्षेत्र में आज 24 जुलाई को इस्कॉन द्वारा भगवान श्री जगन्नाथ, बलदेव एवं सुभद्रा महारानी की भव्य वार्षिक रथ यात्रा निकाली जाएगी। पुरी की विश्वप्रसिद्ध रथ यात्रा की तर्ज पर आयोजित होने वाले इस महोत्सव में हजारों श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। हरिनाम संकीर्तन, पुष्पवर्षा, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों एवं विशाल भंडारे के साथ यह उत्सव पूरे नगर को भक्तिमय वातावरण में सराबोर कर देगा। इस्कॉन कुरुक्षेत्र के अध्यक्ष श्रीमान साक्षी गोपाल प्रभुजी ने बताया कि रथ यात्रा का शुभारंभ ज्योतिसर स्थित श्री कृष्ण अर्जुन मंदिर में भगवान की विशेष पूजा-अर्चना एवं महाआरती के साथ होगा। इसके पश्चात भगवान श्री जगन्नाथ, बलदेव एवं सुभद्रा महारानी का भव्य रथ नगर भ्रमण के लिए निकलेगा। श्रद्धालु भगवान के रथ की रस्सी खींचकर उनके दिव्य दर्शन का लाभ प्राप्त करेंगे।

कार्यक्रम की रूपरेखा

रथ यात्रा महोत्सव के अंतर्गत प्रातःकाल से ही श्री कृष्ण अर्जुन मंदिर, ज्योतिसर में विशेष पूजा-अर्चना एवं दर्शन का क्रम प्रारंभ होगा। दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक भगवान श्री जगन्नाथ, बलदेव एवं सुभद्रा महारानी की विशेष महाआरती, कीर्तन एवं महाप्रसाद कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। सायंकाल 5 बजे श्री व्यास गौड़ीय मठ, ब्रह्मसरोवर से भगवान का भव्य रथ नगर भ्रमण के लिए प्रस्थान करेगा। रथ यात्रा ब्रह्मसरोवर, जाट धर्मशाला, थीम पार्क, गुरुद्वारा चौक, रेलवे रोड, खंडा चौक होते हुए सेक्टर-13 स्थित कम्युनिटी सेंटर पहुंचेगी, जहां विशाल भंडारे एवं महाआरती के साथ कार्यक्रम का समापन होगा। यात्रा मार्ग पर विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं द्वारा भगवान का स्वागत किया जाएगा। श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद, शीतल पेय एवं अन्य सेवा व्यवस्थाएं भी की गई हैं।

क्रेन के माध्यम से अर्पित होगा 56 भोग

रथ यात्रा के दौरान भगवान जगन्नाथ को विशेष रूप से 56 प्रकार के भोग अर्पित किए जाएंगे। श्रद्धालुओं के लिए यह विशेष आकर्षण का केंद्र होगा, जब क्रेन की सहायता से ऊंचाई पर विराजमान भगवान को भव्य छप्पन भोग समर्पित किया जाएगा। इस दौरान हरिनाम संकीर्तन एवं जयघोषों से पूरा वातावरण गुंजायमान रहेगा।

हरिनाम संकीर्तन, पुष्पवर्षा और स्वागत मंच रहेंगे आकर्षण

रथ यात्रा मार्ग पर विभिन्न सामाजिक, धार्मिक एवं व्यापारिक संगठनों द्वारा स्वागत मंच लगाए जाएंगे। अनेक स्थानों पर भगवान के रथ पर पुष्पवर्षा की जाएगी तथा श्रद्धालुओं के लिए शीतल पेय एवं प्रसाद वितरण की व्यवस्था रहेगी। यात्रा में इस्कॉन के भक्त मधुर हरिनाम संकीर्तन करते हुए आगे बढ़ेंगे, जिससे संपूर्ण नगर में आध्यात्मिक उत्साह का वातावरण बनेगा। पूरा यात्रा मार्ग सजकर तैयार हो चुका है। इस्कॉन कुरुक्षेत्र के उपाध्यक्ष श्रीमान मोहन गौरचंद्र प्रभुजी ने बताया कि शास्त्रों में वर्णित है कि भगवान श्रीकृष्ण से विरह में व्याकुल वृंदावनवासियों ने कुरुक्षेत्र में सूर्यग्रहण के समय उनसे मिलकर उन्हें पुनः वृंदावन ले जाने की इच्छा व्यक्त की थी।

हेल्थ टिप्स

सेहत को नुकसान पहुंचा सकते हैं ब्यूटी प्रोडक्ट

ये बात ज्यादातर महिलाओं को पता ही नहीं होती है कि उनके द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाला मेकअप कैंसर जैसी घातक बीमारी का कारण बन सकता है। आज के समय में मेकअप प्रोडक्ट्स हर महिला की लाइफस्टाइल का हिस्सा बन चुके हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि कुछ ब्यूटी प्रोडक्ट्स में मौजूद केमिकल्स आपकी सेहत के लिए बेहद खतरनाक हो सकते हैं? खासकर लंबे समय तक कुछ खास मेकअप प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल शरीर में टॉक्सिक असर डाल सकता है और गंभीर बीमारियों जैसे कैंसर का खतरा बढ़ा सकता है। कई रिसर्च में पाया गया है कि कुछ मेकअप प्रोडक्ट्स में लेड, पैराबेन्स, टाल्क और फॉर्मल्डिहाइड जैसे हानिकारक केमिकल्स पाए जा सकते हैं। ये केमिकल्स स्किन के जरिए शरीर में प्रवेश कर हार्मोनल बैलेंस को बिगाड़ सकते हैं। पर, हमेशा इस बात का ध्यान रखें कि सभी प्रोडक्ट्स खतरनाक नहीं होते, लेकिन सस्ते और बिना जांचे-परखे कॉस्मेटिक्स का लगातार उपयोग रिस्क बढ़ा सकता है। इसलिए जरूरी है कि हम सुरक्षित और सर्टिफाइड ब्यूटी प्रोडक्ट्स का ही चयन करें।

लिपस्टिक

लिपस्टिक महिलाओं द्वारा सबसे ज्यादा

इस्तेमाल किया जाने वाला मेकअप प्रोडक्ट है, लेकिन कई सस्ती और अनरेगुलेटेड लिपस्टिक में लेड, कैडमियम और अन्य भारी धातुएं पाई जा सकती हैं। ये केमिकल्स धीरे-धीरे शरीर में जमा होते रहते हैं। लंबे समय तक लगातार इस्तेमाल से यह नर्वस सिस्टम, किडनी और हार्मोन बैलेंस पर असर डाल सकते हैं। कुछ रिसर्च में इन्हें कैंसर रिस्क से भी जोड़ा गया है, खासकर जब इनका सेवन अनजाने में (खाने के साथ) शरीर में चला जाता है।

फाउंडेशन

फाउंडेशन स्किन पर एक लेयर की तरह काम करता है, लेकिन इसमें मौजूद पैराबेन्स, सिलिकोन और प्रिज़रवेटिव्स स्किन के पोर्स के जरिए शरीर में प्रवेश कर सकते हैं। ये तत्व लंबे समय तक इस्तेमाल करने पर हार्मोनल सिस्टम को प्रभावित कर सकते हैं। कुछ स्टडीज में पैराबेन्स को ब्रेस्ट कैंसर रिस्क से भी लिंक किया गया है, हालांकि यह पूरी तरह साबित नहीं है, लेकिन सावधानी जरूरी है।

फेस पाउडर

टैल्क आधारित फेस पाउडर काफी लोकप्रिय है, लेकिन अगर इसमें एस्बेस्टस जैसी अशुद्धियां मौजूद हों, तो यह गंभीर स्वास्थ्य जोखिम पैदा कर सकता है। एस्बेस्टस एक ऐसा पदार्थ है जिसे लंबे समय तक सांस के जरिए शरीर में जाने पर फेफड़ों के कैंसर से जोड़ा गया है। इसलिए हमेशा एस्बेस्टस-फ्री सर्टिफाइड प्रोडक्ट्स का ही उपयोग करना चाहिए।

आईलाइनर

कुछ सस्ते आईलाइनर में फॉर्मल्डिहाइड, कोल टार डाई और सिंथेटिक केमिकल्स का उपयोग किया जाता है। ये आंखों में जलन, एलर्जी और लंबे समय में स्किन डैमेज का कारण बन सकते हैं। लगातार उपयोग से ये केमिकल्स शरीर में टॉक्सिक असर डाल सकते हैं, जिसे कई हेल्थ रिपोर्ट्स में कैंसर रिस्क से जोड़ा गया है।

छोटी उम्र से ही गांठ बांध लीजिए कुछ जरूरी बातें तो रहेगा आपका दिल मजबूत

सभी उम्र के लोगों में बढ़ती ही जा रही हृदय रोग- हाई कोलेस्ट्रॉल की समस्याएं, इनसे बचिए

हृदय की बढ़ती बीमारियों के लिए हाई कोलेस्ट्रॉल और हाई ब्लड प्रेशर को प्रमुख कारण माना जाता रहा है, इसलिए इन को कंट्रोल में रखना जरूरी है। लोग अक्सर जानना चाहते हैं कि क्या कोई ऐसा तरीका है, जिसकी मदद से आपको कभी बैड कोलेस्ट्रॉल बढ़ने की दिक्कत ही न हो?

दरअसल, हृदय रोग की समस्याएं सभी उम्र के लोगों में बढ़ती हुई देखी जा रही हैं। हाल के वर्षों में 30 से कम आयु वालों में हार्ट अटैक और इससे मौत के मामले काफी बढ़ गए हैं। हृदय की बढ़ती बीमारियों के लिए हाई कोलेस्ट्रॉल और हाई ब्लड प्रेशर को प्रमुख कारण माना जाता रहा है, इन दिनों को कंट्रोल में रखना शरीर को स्वस्थ रखने के लिए सबसे जरूरी है। क्या आपका कोलेस्ट्रॉल लेवल नियंत्रित है?

कोलेस्ट्रॉल का नाम सुनते ही अक्सर दिल की बीमारियों का ख्याल आता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि कोलेस्ट्रॉल वास्तव में इतना भी बुरा नहीं है? वास्तव में, यह शरीर की कोशिकाओं की बनावट, हार्मोन्स के निर्माण और पाचन में जरूरी भूमिका निभाता है। समस्या तब होती है जब शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल की मात्रा बढ़ जाती है और गुड कोलेस्ट्रॉल की घट जाती है। अब आपके मन में भी सवाल आ रहा होगा कि क्या कोई ऐसा तरीका है, जिसकी मदद से आपको कभी बैड कोलेस्ट्रॉल बढ़ने की दिक्कत ही न हो?

कोलेस्ट्रॉल बढ़ने के कारण होने वाली समस्याएं

हृदय रोग विशेषज्ञ कहते हैं, कम उम्र से ही अगर जीवनशैली में सुधार कर लिया जाए तो बैड कोलेस्ट्रॉल की समस्या से बचा जा सकता है। यूएस स्थित कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. एड्रियाना क्विनोनेस-कैमाचो कहती हैं, हाई कोलेस्ट्रॉल का स्तर आपके हृदय के स्वास्थ्य के लिए बेहद खतरनाक हो सकता है।

कोलेस्ट्रॉल वर्षों से आपकी धमनियों की दीवारों में जमा होता है। प्लाक के निर्माण करके धमनियों को संकरा और सख्त कर देता है, जिससे हृदय रोग, दिल के दौरे और स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। बैड कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाने में आपके खराब आहार और गड़बड़ जीवनशैली की मुख्य भूमिका होती है। जो लोग संतृप्त और ट्रांस फैट वाली चीजें अधिक खाते हैं, गतिहीन जीवनशैली जीते हैं, अत्यधिक धूम्रपान और शराब का सेवन करते हैं, मोटापा या मधुमेह जैसी बीमारियों का शिकार हैं उनमें ये दिक्कत अधिक देखी जाती है। इसका मतलब है कि अगर कम उम्र से ही इनमें सुधार कर लिया जाए तो कोलेस्ट्रॉल बढ़ने के खतरे से बचा जा सकता है।

खान-पान में बदलाव जरूरी

अमेरिकन जर्नल ऑफ क्लिनिकल न्यूट्रिशियन में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, डाइटरी फाइबर वाली चीजों को आहार में अधिक से अधिक शामिल करके बैड कोलेस्ट्रॉल को 5-10 फीसदी तक कम कर सकता है। दलिया, साबुत अनाज, सेब और बीन्स का सेवन बढ़ाने से आपको लाभ मिल सकता है।

ट्रांस फैट से बचें और ओमेगा-3 फैटी एसिड की मात्रा बढ़ाएं

बैड कोलेस्ट्रॉल की समस्या से बचे रहने का एक

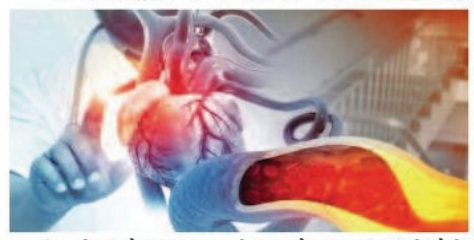

फार्मूला ये भी है कि आहार में ट्रांस फैट वाली चीजें जैसे बेकरी आइटम्स, फ्राई चीजों की मात्रा कम कर दें। इस तरह के खाद्य पदार्थ भी कोलेस्ट्रॉल की समस्या को बढ़ाने वाले हो सकते हैं। हार्वड मेडिकल स्कूल की एक रिपोर्ट के अनुसार, ओमेगा-3 फैटी एसिड वाली चीजों को अपने आहार में शामिल करने से हृदय संबंधी बीमारियों का जोखिम 30% तक कम हो सकता है। अखरोट, अलसी के बीज, मछली और एवोकाडो आदि को आहार का हिस्सा बनाएं।

इन उपायों पर भी देते रहें ध्यान

डॉक्टर कहते हैं, कोलेस्ट्रॉल की समस्या कोई अचानक आने वाली बीमारी नहीं है, यह वर्षों तक चुपचाप शरीर में बढ़ती है। लेकिन यदि हम आज से ही अपने खानपान, व्यायाम, सोच और आदतों में बदलाव लाएं तो न केवल हम कोलेस्ट्रॉल से बल्कि उससे जुड़ी हृदय संबंधी बीमारियों से भी सुरक्षित रह सकते हैं।

'प्रोसेस्ड फूड' की दीवानगी ठीक नहीं, सीमित मात्रा में लेना बेहतर

अधिकतर प्रोसेस्ड फूड्स ऐसे होते हैं जो सेहत के लिए हानिकारक होते हैं, लेकिन कुछ प्रोसेस्ड फूड्स ऐसे भी होते हैं जिन्हें सीमित मात्रा में लिया जाए तो वो सेहत के लिए फायदेमंद हो सकते हैं। आइए इस लेख में इसी के बारे में विस्तार से जानते हैं। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में प्रोसेस्ड फूड बहुत से लोगों के जीवन शैली का एक अभिन्न हिस्सा बन चुका है। नूडल्स, चिप्स, डिब्बाबंद खाद्य पदार्थ और रेडी-टू-ईट भोजन अपनी सुविधा के कारण बेहद लोकप्रिय हो गए हैं। बेशक ये फूड्स हमारा समय बचाते हैं, लेकिन इसको लेकर कुछ लोगों के मन में अक्सर ये सवाल रहता है कि क्या प्रोसेस्ड फूड वाकई हमारे स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हैं? इस सवाल का सही जवाब जानने के लिए सबसे पहले ये जानना जरूरी है कि प्रोसेस्ड फूड होता क्या है? यह भी जानना जरूरी है कि सभी प्रोसेस्ड फूड एक जैसे नहीं होते हैं। प्रोसेस्ड फूड की दुनिया काफी जटिल है, कुछ ऐसे हैं जिनसे पूरी तरह से बचना चाहिए, क्योंकि उसमें चीनी, नमक और अनहेल्दी फैट मौजूद होता है। वहीं कुछ ऐसे भी हैं जिन्हें सीमित मात्रा में या सही चुनाव के साथ अपनी डाइट में शामिल किया जा सकता है। आइए, प्रोसेस्ड फूड के बारे में विस्तार से जानते हैं, साथ ही उनके संभावित नुकसानों और उनसे बचने या सुरक्षित विकल्पों को चुनने के बारे में भी जानेंगे।

प्रोसेस्ड फूड क्या है?

प्रोसेस्ड फूड वह खाद्य पदार्थ है, जिसे स्वाद, शेल्फ-लाइफ,

या सुविधा के लिए रासायनिक प्रक्रिया से तैयार किया जाता है। इसमें फ्रोजन सब्जियां, डिब्बाबंद फल, और चिप्स जैसे स्नैक्स शामिल हैं। हालांकि, सभी प्रोसेस्ड फूड हानिकारक नहीं होते। उदाहरण के लिए, फ्रोजन मटर या पाश्चुरीकृत दूध न्यूनतम प्रोसेसिंग के साथ पौष्टिक हो सकते हैं। लेकिन अत्यधिक प्रोसेस्ड फूड, जैसे कि चीनी युक्त पेय, पैकेज्ड स्नैक्स, और रेडी-मेड भोजन, सामान्यतौर पर स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक होते हैं।

हानिकारक प्रोसेस्ड फूड और उनके खतरे

अत्यधिक प्रोसेस्ड फूड में चीनी, नमक, ट्रांस फैट, और कृत्रिम रसायन जैसे प्रिजर्वेटिव्स और रंग अधिक मात्रा में होते हैं। इंस्टेंट नूडल्स, चिप्स, बर्गर, और कार्बोनेटेड ड्रिंक्स का नियमित सेवन मोटापा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, और हृदय रोगों का जोखिम बढ़ाता है। इनमें पोषक तत्व कम और कैलोरी अधिक होती है, जिससे पाचन तंत्र पर भी बुरा असर पड़ता है।

किन प्रोसेस्ड फूड से बचें?

कुछ प्रोसेस्ड फूड ऐसे हैं जिनसे हमें पूरी तरह से दूर रहना चाहिए? इनमें मीठे सोडा, एनर्जी ड्रिंक्स, और चिप्स-कुकीज जैसे ट्रांस फैट वाले स्नैक्स आते हैं। आर्टिफिशियल स्वाद वाले रेडी-टू-ईट भोजन भी इसी लिस्ट में हैं। इन चीजों में मौजूद प्रिजर्वेटिव्स और ज्यादा नमक आपकी सेहत बिगाड़ सकते हैं, ये मसूड़ों की बीमारी, मोटापा और हार्मोनल असंतुलन का कारण बन सकते हैं। अब ऐसा नहीं है कि सारे प्रोसेस्ड फूड खराब होते हैं। कुछ तो ऐसे होते हैं जिनकी प्रोसेसिंग बहुत कम होती है, जैसे कि फ्रोजन सब्जियां, डिब्बाबंद दालें या पाश्चुरीकृत दही। अगर इन्हें सीमित मात्रा में लिया जाए तो ये सेहत के लिए ज्यादा नुकसानदायक नहीं होते हैं, बस, एक बात का ध्यान रखें कि इनमें अधिक नमक या चीनी न मिली हो।

वास्तु के अनुसार होना चाहिए पूजा घर, जानिए जरूरी बातें

पूजा घर न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि जीवन में संतुलन और समृद्धि का माध्यम भी है। इसलिए पूजा घर बनवाते समय वास्तु से जुड़ी कुछ आवश्यक बातों का ध्यान रखना अत्यंत जरूरी है।

पूजा घर की शुभ दिशा

वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में पूजा घर के लिए सबसे उत्तम दिशा उत्तर-पूर्व (ईशान कोण) होती है। यह दिशा भगवान शिव और जल तत्व से संबंधित मानी गई है, जिससे पवित्रता और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। यदि यह दिशा उपलब्ध न हो, तो पूर्व दिशा को दूसरा सर्वोत्तम विकल्प माना जाता है। पूजा करते समय व्यक्ति का मुख भी पूर्व या उत्तर की ओर होना चाहिए, इससे साधना में एकाग्रता आती है और ईश्वर की कृपा प्राप्त होती है।

पूजा घर का स्थान और संरचना

पूजा घर को कभी भी शौचालय, बाथरूम या सीढ़ियों के नीचे नहीं बनाना चाहिए। यह स्थान शांत, स्वच्छ और ऊर्जा से भरपूर होना चाहिए। यदि घर छोटा है, तो ड्राइंग रूम के उत्तर-पूर्व कोने को पूजा के लिए चुना जा सकता है। मंदिर को हमेशा जमीन से कुछ ऊंचाई पर रखें और उसके नीचे किसी भी प्रकार का सामान स्टोर न करें। मंदिर की दीवार पर लकड़ी की पीठ या प्लेटफार्म लगाया जा सकता है।

मूर्तियों की व्यवस्था

मंदिर में स्थापित मूर्तियां 9 इंच से अधिक ऊंची नहीं होनी चाहिए और उन्हें दीवार से थोड़ा दूर रखें ताकि पीछे की ओर हवा का प्रवाह बना रहे। खंडित या टूटी हुई मूर्तियों को तुरंत मंदिर से हटा देना चाहिए क्योंकि ये

नकारात्मक ऊर्जा फैलाती हैं। भगवान की मूर्तियों की संख्या भी सीमित होनी चाहिए। एक ही देवता की कई मूर्तियों को एकसाथ न रखें।

मंदिर का रंग और सजावट

पूजा घर के रंग हल्के और शुभ होने चाहिए, जैसे कि सफेद, हल्का पीला, गुलाबी या क्रीम। गहरे या काले रंगों से बचना चाहिए क्योंकि ये मन और वातावरण पर भारी प्रभाव डालते हैं। मंदिर में धूपबत्ती, दीपक, शंख और घंटी की व्यवस्था अवश्य करें। रोजाना दीपक जलाने और सुगंधित धूप लगाने से सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है।

पूजा घर से जुड़ी कुछ सावधानियां

मंदिर को रसोईघर या शयनकक्ष में न बनाएं। यदि जगह की कमी के कारण ऐसा करना पड़े, तो मंदिर को लकड़ी की अलमारी में बनाकर उसे पर्दे से ढक सकते हैं। पूजा स्थान में कभी भी जूते-चप्पल लेकर न जाएं और वहां मोबाइल फोन या अन्य ध्यान भटकाने वाली वस्तुएं न रखें। पूजा घर को हमेशा स्वच्छ और सुगंधित बनाए रखें।

खाना हो गया है जरूरत से ज्यादा तीखा तो ऐसे पाएं राहत

अगर खाना जरूरत से ज्यादा तीखा हो गया है, तो उस में अतिरिक्त सामग्री

मिलाकर मात्रा बढ़ाना, नींबू या सिरका जैसी खट्टी चीजें डालना, शोरबा मिलाना, थोड़ी चीनी या शहद का उपयोग करना और दूध, दही या क्रीम जैसी डेयरी चीजें मिलाना सबसे प्रभावी उपाय हैं। ये तरीके तीखेपन को संतुलित करके खाने का स्वाद बेहतर बनाते हैं। रसोई में खाना बनाते समय कभी-कभी हाथ फिसल जाता है और सब्जी, दाल, करी या सूप में मिर्च जरूरत से ज्यादा पड़ जाती है। एक पल में मेहनत से तैयार किया गया स्वादिष्ट भोजन इतना तीखा हो जाता है कि उसे खाना मुश्किल लगने लगता है। अक्सर लोग सोचते हैं कि अब इस खाने को फेंकने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा। लेकिन अच्छी बात यह है कि कुछ आसान किचन ट्रिक्स की मदद से आप ज्यादा तीखे खाने को आसानी से संतुलित कर सकते हैं। पेशेवर शेफ और फूड एक्सपर्ट्स भी तीखेपन को कम करने के लिए कुछ खास तरीकों का इस्तेमाल करते हैं।

खाने की मात्रा बढ़ाएं

अगर सब्जी, करी या सूप में मिर्च ज्यादा हो गई है, तो सबसे आसान उपाय है उसकी मात्रा बढ़ा देना। उदाहरण के लिए, अगर दाल ज्यादा तीखी हो गई है तो उसमें अतिरिक्त दाल या पानी मिला सकते हैं। सब्जी में अतिरिक्त सब्जियां, आलू या अन्य सामग्री मिलाने से मिर्च का प्रभाव पूरे भोजन में फैल जाता है और तीखापन कम महसूस होता है।

मिर्च की मात्रा वही रहती है, लेकिन कुल भोजन बढ़ जाने से उसका प्रभाव कम हो जाता है। नींबू या सिरका जैसी खट्टी चीजें मिलाएं।

कार्नर न्यूज

बच्चे का टिफिन आपको बनाएगा सुपरमॉम

स्कूली बच्चों का टिफिन होना चाहिए अलग हट कर, दिखनी चाहिए सुपरमॉम की क्रिएटिविटी

इन दिनों ज्यादातर बच्चों के स्कूल खुल चुके हैं या फिर एक जुलाई से खुलेंगे। अपने बच्चों को स्कूल भेजने को लेकर माता-पिता ज्यादातर उत्साहित रहते हैं। खासतौर पर हर मां की सबसे बड़ी चिंता होती है कि वो हर रोज उन्हें टिफिन में ऐसा क्या दें, जो पूरा खत्म होकर वापस आए। क्योंकि बच्चों में खाने को लेकर काफी नखरे होते हैं। हर सुबह इसी बात की चिक-चिक होती है कि आज टिफिन में क्या जाएगा। आपकी इसी समस्या का हल लेकर कुछ ऐसी रेसिपी के बारे में यहां जानकारी, जो बच्चों के लिए बेहद जायकेदार है और जिसे बनाना भी काफी आसान है।

वेजिटेबल पराठा रोल

बच्चों को साधारण सब्जी पराठा देंगे तो उन्हें वो पसंद नहीं आएगा। ऐसे में उनके टिफिन में स्वादिष्ट सा वेजिटेबल पराठा रोल बनाकर पैक करें। इसके लिए गेंहू के आटे से बने पराठे में प्याज, शिमला मिर्च, पत्ता गोभी और पनीर के की स्टफिंग करें। इसके अंदर टोमेटो कैचअप और मियोनीज भी एड करें, ताकि आसका स्वाद बढ़ जाए। इसे टिफिन में देंगे तो

बच्चे पूरा टिफिन चट करके आएंगे।

पनीर पराठा

बच्चे के टिफिन में साधारण पराठा रखने की बजाय पनीर से भरा पराठा बनाकर तैयार करें। ये पराठा काफी स्वादिष्ट होता है। इसे बच्चे काफी चाव से खाते है। इसलिए अपने बच्चे को अचार के साथ पनीर पराठा टिफिन में दें, ताकि वो इसे मन से खा सकें।

सूजी उत्तपम

गर्मी के मौसम में ऐसी चीजें ही टिफिन में रखनी चाहिए, जो खाने में हल्की हो। ऐसे में सूजी उत्तपम एक बेहतर विकल्प है। सूजी, दही और बारीक कटी सब्जियों से बने छोटे-छोटे उत्तपम आपके बच्चे को काफी पसंद आएंगे। इसे पैक करते समय उसके साथ कैचअप अवश्य रखें, ताकि बच्चे उत्तपम को चाव से खा सकें।

फ्राइड राइस

अगर आपके बच्चे को फ्राइड राइस पसंद है तो टिफिन में उनके लिए फ्राइड राइस तैयार करें। इस फ्राइड राइस को तैयार करने में ढेर सारी सब्जियों का इस्तेमाल करें, ताकि इसका स्वाद कई गुना बढ़ सके। यदि आप ब्राउन राइस तैयार करेंगी तो ये एक हेल्दी विकल्प भी रहेगा।

मिनी इडली

अपने छोटे बच्चे के लिए साधारण इडली बनाने की जगह सूजी से बनी मिनी इडली तैयार करें। सूजी से बनी स्टीम इडली बच्चों के लिए हल्की और हेल्दी होती है। इसे आप फ्राई करके भी टिफिन में रख सकती हैं। फ्राइड इडली बच्चों को काफी पसंद आती है।

मूंग दाल चीला

कुछ हेल्दी विकल्प तलाश कर रही हैं तो मूंग दाल चीला से बेहतर कुछ हो नहीं सकता। दरअसल, मूंग दाल को पीसकर सब्जियों के साथ बना चीला, जो प्रोटीन और टेस्ट दोनों देता है। इसलिए टिफिन में आप ये भी दे सकते हैं।

खेल पुरस्कार, मुख्यमंत्री ट्रॉफी व खेलवृत्ति हेतु 05 अगस्त तक करें ऑनलाइन आवेदन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। खेल एवं युवा कल्याण विभाग, छत्तीसगढ़ द्वारा वर्ष 2025-26 के लिए राज्य के उत्कृष्ट खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों एवं निर्णायकों से विभिन्न खेल पुरस्कारों, मुख्यमंत्री ट्रॉफी, नगद राशि, प्रेरणा निधि, डाइट मनी तथा खेलवृत्ति हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।
विभाग द्वारा शहीद राजीव पाण्डे पुरस्कार के तहत 03 लाख रुपये, शहीद कौशल यादव पुरस्कार एवं वीर हनुमान सिंह पुरस्कार के लिए 01 लाख 50-50 हजार रुपये, जबकि शहीद पंकज विक्रम सम्मान एवं शहीद विनोद चौबे सम्मान के अंतर्गत 25-25 हजार रुपये की नगद पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी।
खेलवृत्ति के लिए आवेदन करने वाले खिलाड़ियों की अधिकतम आयु सीमा 19 वर्ष निर्धारित की गई है। सभी आवेदन केवल ऑनलाइन माध्यम से ही स्वीकार किए जाएंगे। विभाग की वेबसाइट sportsyw.cg.gov.in पर किए गए आवेदन ही मान्य होंगे।

आंगनबाड़ी सहायिका के रिक्त पदों के लिए आवेदन आमंत्रित

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिला कार्यक्रम अधिकारी एवं महिला बाल विकास विभाग ने जानकारी दी है कि आंगनबाड़ी केन्द्र गोविन्दपुर अ, खैरवारटोला ब, बरजबंधा में आंगनबाड़ी सहायिका के पद रिक्त है। रिक्त पद के पूर्ति के लिए 23 जुलाई से 06 अगस्त 2026 तक इच्छुक आवेदिका महिला एवं बाल विकास विभाग के ऑन लाईन पोर्टल http://aww.e.bharti.in पर आवेदन कर सकते हैं। इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए परियोजना कार्यालय के सूचना पटल पर अवलोकन किया जा सकता है।

दोस्तों के साथ पार्टी मना रहे युवक को अगवा कर युवकों ने की बेदम पिटाई

0 लहूलुहान अवस्था में सड़क किनारे मिला युवक, उपचार के दौरान थमी सांसे 0 जमीन विवाद पर हत्या की आशंका, जांच में जुटी पुलिस

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के प्रतापपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम गोंदा में एक युवक के कथित अपहरण और बेरहमी से मारपीट के बाद हुई मौत ने पूरे क्षेत्र में सनसनी फैला दी है। गुरुवार दोपहर हुई इस घटना के बाद गांव में दहशत और आक्रोश का माहौल है। मृतक की पहचान 36 वर्षीय हरिनंदन राजवाड़े ग्राम गोंदा के रूप में हुई है। परिजनों ने गांव के ही कुछ लोगों पर अपहरण कर मारपीट करने का आरोप लगाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।
बताया गया है कि गुरुवार दोपहर हरिनंदन राजवाड़े अपने दो दोस्तों तुषार और राहुल के साथ अंबिकापुर से गांव लौटा था। इसके बाद वह अपने मित्र राजेंद्र प्रसाद के घर पहुंचा, जहां चारों आपस में बैठकर पार्टी कर रहे थे। इसी दौरान गांव के ही एक युवक को इसकी जानकारी मिली। आरोप है कि वह अपने 10 से 15 साथियों के साथ वहां पहुंचा और गाली-गलौज शुरू कर दी। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और आरोपियों ने हरिनंदन को जबरन पकड़कर एक चारपहिया वाहन में बैठा लिया। वहां मौजूद लोगों ने विरोध करने की कोशिश की, लेकिन आरोपी उसे अपने साथ लेकर चले गए। घटना की जानकारी मिलते ही हरिनंदन के बड़े भाई और अन्य परिजन उसकी तलाश में निकल पड़े। काफी देर तक खोजबीन के बाद हरिनंदन केवरा चौक के समीप सड़क किनारे रक्तरंजित और बेहोशी की हालत में मिला। उसके शरीर पर लाठी-डंडों से मारपीट के कई निशान थे

तथा शरीर से खून भी बह रहा था। परिजन तत्काल उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसका उपचार शुरू किया, लेकिन देर रात उसने दम तोड़ दिया।प्रारंभिक जानकारी के अनुसार मृतक और आरोपित पक्ष के बीच लंबे समय से जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। बताया जा रहा है कि करीब 15 दिन पहले भी इसी विवाद को लेकर दोनों पक्षों के बीच झगड़ा हुआ था। आशंका जताई जा रही है कि इसी रंजिश के चलते इस वारदात को अंजाम दिया गया। हालांकि पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है और जांच पूरी होने के बाद ही वास्तविक कारण स्पष्ट होने की बात कह रही है।
शुक्रवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। मामले से जुड़े संदिग्धों की पहचान कर उनकी तलाश शुरू कर दी गई है। पुलिस का कहना है कि जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।
इस घटना के बाद ग्राम गोंदा सहित आसपास के क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल है। ग्रामीणों ने दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की है। लोगों का कहना है कि दिनदहाड़े इस तरह युवक का अपहरण कर उसकी पिटाई करना कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है। परिजनों ने भी आरोपियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर तत्काल गिरफ्तारी की मांग की है। पुलिस ने आश्वासन दिया है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों को जल्द कानून के दायरे में लाया जाएगा।

कृषि एवं संबद्ध विभागों की कलेक्टर ने ली समीक्षा बैठक, दिए आवश्यक निर्देश

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कृषि एवं संबद्ध विभागों तथा खाद्य विभाग की विस्तृत समीक्षा बैठक लेकर कलेक्टर रेना जमील ने विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की। बैठक में उन्होंने खाद्य, कृषि, उद्यानिकी, पशुधन, मत्स्य एवं रेशम विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की विभागवार जानकारी लेते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।
बैठक में कलेक्टर ने उचित मूल्य दुकानों में चावल जमा की स्थिति, खाद्य निरीक्षकों द्वारा किए जा रहे निरीक्षण, ई-केवाईसी की प्रगति तथा सार्वजनिक वितरण प्रणाली के प्रभावी संचालन की समीक्षा की। उन्होंने हितग्राहियों को समय पर खाद्यान्न उपलब्ध कराने और ई-केवाईसी कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। कृषि विभाग की समीक्षा के दौरान उन्होंने सहकारी समितियों के माध्यम से समितिवार उपलब्ध खाद-बीज के भंडारण एवं वितरण की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने किसानों को आवश्यकता के अनुरूप पर्याप्त मात्रा में उर्वरक एवं बीज उपलब्ध कराने तथा किसी भी प्रकार की कमी नहीं होने देने के निर्देश दिए। साथ ही पीएम किसान सम्मान निधि योजना, सॉइल हेल्थ कार्ड, किसान

क्रेडिट कार्ड तथा एग्रिस्टेक पोर्टल पर किसानों का शत-प्रतिशत पंजीयन सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। कलेक्टर ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की समीक्षा करते हुए विगत वर्षों में योजना से लाभान्वित किसानों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने वर्तमान खरीफ सीजन में योजना के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए पात्र एवं अपात्र किसानों की पृथक जानकारी प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। बैठक में सभी एसएडीओ से जिले में वर्षा की स्थिति, धान रोपाई तथा अन्य खरीफ फसलों की बुवाई की प्रगति की जानकारी ली गई। उन्होंने कृषि विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन तथा सॉइल हेल्थ कार्ड वितरण की प्रगति की भी समीक्षा की। वाटरशेड कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए उन्होंने जिले में संचालित कार्यों की जानकारी लेकर उनके प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए।
उद्यानिकी विभाग की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने उद्यानिकी फसलों के रकबे एवं उत्पादन की स्थिति की जानकारी ली। रेशम विभाग की समीक्षा के दौरान विभाग द्वारा संचालित योजनाओं एवं उनकी प्रगति की जानकारी लेकर योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन पर बल दिया।
मत्स्य विभाग की समीक्षा में कलेक्टर ने मत्स्य बीज उत्पादन, झींगा उत्पादन, केज कल्चर, जिले में उपलब्ध जल संसाधनों की स्थिति तथा बारहमासी एवं मौसमी तालाबों का श्रेणीवार वर्गीकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्व-सहायता समूहों की पशु सखियों को विभागीय गतिविधियों से जोड़ने, हरे चारे की पर्याप्त व्यवस्था, उन्नत नस्ल की बकरी पालन हेतु कार्ययोजना तैयार करने को कहा।
कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए शासन की किसान हितैषी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें, ताकि जिले के अधिक से अधिक किसानों को योजनाओं का लाभ समय पर मिल सके। बैठक में उप संचालक कृषि सुश्री संपदा पैकरा, उप संचालक पशुधन विकास सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

मगरमच्छ की भ्रामक ए.आई. फोटो वायरल करने वाला युवक गिरफ्तार

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। ग्राम केशवपुर के यादवपारा स्थित तालाब में मगरमच्छ दिखाई देने की सूचना पर वन विभाग द्वारा की गई जांच में यह तथ्य सामने आया कि सोशल मीडिया पर प्रसारित फोटो वास्तविक नहीं थी, बल्कि ए.आई. की सहायता से तैयार की गई भ्रामक तस्वीर थी। 23 जुलाई को ग्राम पंचायत केशवपुर एवं ग्रामवासियों द्वारा वन विभाग को सूचना दी गई थी कि गांव के तालाब में मगरमच्छ देखा गया है। चूंकि मगरमच्छ वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के अंतर्गत संरक्षित अनुसूची -ढ्ढ वन्यजीव है, अत: सूचना को गंभीरता से लेते हुए वन विभाग द्वारा तत्काल अधिकारियों एवं कर्मचारियों को साथ लेकर मौके पर तालाब का निरीक्षण किया गया तथा वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराते हुए रेस्क्यू दल को भी सक्रिय किया गया।जांच एवं पूछताछ के दौरान संबंधित व्यक्ति ब्रजलाल यादव, पिता रूपनारायण यादव केशवपुर, रामानुजनगर द्वारा यह स्वीकार किया गया कि उसने अपने

मोबाइल पर ए.आई. तकनीक की सहायता से तालाब की वास्तविक फोटो में मगरमच्छ का चित्र जोड़कर उक्त फोटो तैयार की तथा विभिन्न व्हाट्सएप समूहों में साझा की। इस भ्रामक एवं असत्य सूचना के कारण ग्रामवासियों एवं आसपास के क्षेत्र में भय एवं भ्रम का वातावरण निर्मित हुआ तथा वन विभाग को रेस्क्यू दल सहित शासकीय संसाधनों का अनावश्यक उपयोग करते हुए मौके पर जांच एवं खोजबीन करनी पड़ी, जिससे विभागीय कार्य भी प्रभावित हुए। उक्त तथ्यों के आधार पर वन विभाग द्वारा संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई प्रारंभ करते हुए पुलिस थाना रामानुजनगर में प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराने हेतु प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया, जिसके उपरांत पुलिस द्वारा नियमानुसार गिरफ्तारी की कार्रवाई भी की गई है तथा प्रकरण में अग्रिम वैधानिक विवेचना जारी है। वन विभाग ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अथवा अन्य डिजिटल माध्यमों से तैयार भ्रामक फोटो, वीडियो अथवा असत्य सूचनाओं का निर्माण अथवा प्रसार न करें, क्योंकि इस प्रकार की भ्रामक जानकारी से जनसामान्य में अनावश्यक भय एवं अफवाह फैलती है, शांति व्यवस्था प्रभावित होती है। विभाग ने यह भी अपील की कि यदि किसी क्षेत्र में वास्तव में कोई वन्यजीव दिखाई दे, तो उसकी सूचना तत्काल निकटतम वन कार्यालय अथवा वन विभाग के अधिकारियों को दें तथा किसी भी अपुष्ट सूचना या फोटो को सोशल मीडिया पर साझा करने से बचें।

कार्यालय कलेक्टर जिला बलरामपुर-रामानुजगंज एवं पदेन एव सचिव छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग

अधिसूचना

बलरामपुर, दिनांक 05.06.2026

क्रमांक/3662/अ-82/2024-25- चूंकि राज्य शासन को यह समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची में वर्णित भूमि की जल संसाधन संभाग बलरामपुर अन्तर्गत बेलनाला व्यपवर्तन योजना सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है। अतः भूमि अर्जन, पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 (जिसे एतद् पश्चात् अधिनियम 2013 कहा जायेगा) की धारा 19 के तहत यह घोषित किया जाता है, कि इस भूमि का उक्त प्रयोजन के लिये आवश्यकता है :-

अनुसूची

कुल भूमि का वर्णन :-
1. जिला - बलरामपुर-रामानुजगंज, 2. तहसील- कुसमी, 3. ग्राम - जिगनिया, लेफुआटोली, जिरहुल, मोतीनगर, करकली पश्चिम, 4. प0ह0नं0 - 03, 04 5. भूमि का क्षेत्रफल - 15.825 हे0

ग्रामवार भूमि का वर्णन :-
1. जिला - बलरामपुर-रामानुजगंज
2. तहसील- कुसमी
3. ग्राम - जिगनिया
4. प0ह0नं0 - 03
5. भूमि का क्षे 3.326 हे0

खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)	खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)	खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)	खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)	खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)	खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)	खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)	खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
1468/1	0.525	1475/3	0.323	1540/2	0.089	1602	0.117	1540/1	0.089	1539	0.109	1541	0.421	2069/2	0.202
1497	0.445	1509/2	0.448	1491	0.154	1600	0.093	1538	0.065	1537	0.061	2068	0.089	1518/2	0.096
योग-	16								3.326						

ग्रामवार भूमि का वर्णन :-
1. जिला - बलरामपुर-रामानुजगंज
2. तहसील- कुसमी
3. ग्राम - लेफुआटोली
4. प0ह0नं0 - 03
5. भूमि का क्षे 2.005 हे0

खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)	खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)	खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)	खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)	खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)	खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)	खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)	खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
291/1	0.044	294	0.020	349/1	0.020	368/1	0.012	435/1	0.096	451/1	0.101	464/1	0.061	465/1	0.016
346	0.008	298/1	0.061	348/2	0.024	368/2	0.012	458/1	0.032	454/1	0.040	440/2	0.064	465/2	0.016
291/2	0.044	344/1	0.012	349/2	0.020	462/1	0.040	459/1	0.065	455	0.101	441	0.048	465/3	0.016
293/1	0.040	345	0.089	350/1	0.064	434/1	0.044	461/1	0.012	456/1	0.032	448/1	0.128	465/4	0.016
297/1	0.028	347	0.012	351	0.012	434/2	0.044	435/2	0.024	457/1	0.064	452/1	0.008	465/5	0.016
369	0.028	348/1	0.024	476/1	0.061	440/4	0.064	436/1	0.081	463	0.020	446	0.041	443/1	0.040
														563	0.040
योग-	49														2.005

ग्रामवार भूमि का वर्णन :-
1. जिला - बलरामपुर-रामानुजगंज
2. तहसील- कुसमी
3. ग्राम - जिरहुल
4. प0ह0नं0 - 03
5. भूमि का क्षे 2.462 हे0

खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)	खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)	खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)	खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)	खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)	खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)	खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)	खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
169/1	0.008	220	0.081	170/1	0.081	202/2	0.024	281/2	0.121	218/2	0.016	162/2	0.033	162/1	0.032
210	0.085	221	0.008	202/1	0.040	166	0.032	227/1	0.057	251/1	0.028	164/1	0.036	163/1	0.049
211	0.057	222/1	0.048	201/1	0.041	268/1	0.101	227/3	0.008	282/1	0.202	160/3	0.081	167	0.032
214	0.041	205/1	0.036	270/1	0.028	281/1	0.121	229/2	0.024	282/2	0.268	160/2	0.101	201/3	0.041
217	0.089	205/2	0.036	201/2	0.041	163/2	0.048	227/2	0.008	168	0.049	270/2	0.028	202/3	0.041
												160/1	0.101	270/3	0.032
														251/2	0.028
योग-	43														2.462

ग्रामवार भूमि का वर्णन :-
1. जिला - बलरामपुर-रामानुजगंज
2. तहसील- कुसमी
3. ग्राम - मोतीनगर
4. प0ह0नं0 - 03
5. भूमि का क्षे 3.698 हे0

खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)	खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)	खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)	खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)	खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)	खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)	खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)	खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
462	0.132	437/2	0.008	445/2	0.162	417/2	0.097	347/1	0.129	413/1	0.072	345/2	0.041	409/1	0.081
534/2	0.088	441/2	0.061	445/1	0.162	399/3	0.105	347/2	0.081	611/1	0.020	533/4	0.012		
438/1	0.162	442	0.065	446/1	0.202	418/2	0.202	349	0.121	514/3	0.081	538	0.168		
440	0.144	408/1	0.121	446/2	0.162	420/1	0.040	350/2	0.202	514/4	0.008	413/2	0.056		
437/1	0.012	443	0.072	417/1	0.096	533/1	0.081	411/1	0.048	531/1	0.162	610/2	0.036		
441/1	0.057	444	0.008	407/3	0.008	397/1	0.105	412/1	0.008	532	0.012	413/611/2	0.008		
योग-	43														3.698

ग्रामवार भूमि का वर्णन :-
1. जिला - बलरामपुर-रामानुजगंज
2. तहसील- कुसमी
3. ग्राम - करकली पश्चिम
4. प0ह0नं0 - 04
5. भूमि का क्षे 4.334 हे0

खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)	खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)	खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)	खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)	खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)	खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)	खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)	खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
1	0.210	11/2	0.113	45	0.113	21	0.162	176/13	0.241	25	0.057	26	0.041	196	0.162
3	0.024	197	0.211	46	0.024	24/1	0.053	47/2	0.069	30	0.202	177/3	0.065	200/2	0.054
752	0.105	11/1	0.113	5/2	0.121	176/11	0.081	47/1	0.069	176/3	0.081	47/3	0.008	200/3	0.054
4/17	0.028	27//1	0.105	195	0.024	18	0.024	24/2	0.052	12/1	0.133	8/3	0.081	200/4	0.054
176/9	0.081	29/1	0.008	15/1	0.049	8/2	0.162	20	0.008	12/2	0.133	8/1	0.040	10	0.202
31	0.202	32	0.032	16	0.032	13/1	0.024	19	0.160	15/2	0.024	8/4	0.041	176/12	0.202
योग-	48														4.334
महायोग-	199														15.825

जी-262702313/1

नियमितीकरण की मांग, संविदा कर्मचारियों ने भाजपा जिलाध्यक्ष को सौंपा ज्ञापन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। संविदा कर्मचारियों का असंतोष अब खुलकर सामने आने लगा है। सर्व संविदा कर्मचारी महासंघ सूरजपुर के बैनर तले कर्मचारियों ने नियमितीकरण और चुनावी वादों को पूरा करने की मांग को लेकर भाजपा जिला अध्यक्ष को एक ज्ञापन सौंपा है। इस ज्ञापन में राज्य के 50 हजार से अधिक संविदा कर्मचारियों की गहरी चिंता और पीड़ा को प्रमुखता से उठाया गया है।
सौंपे गए ज्ञापन में बताया गया है कि विधानसभा चुनाव 2023 के दौरान भाजपा के घोषणा पत्र में संविदा कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान का वादा

किया गया था। चुनाव में भारी समर्थन मिलने के बाद और सरकार बनने के ढाई वर्ष बीत जाने के बाद भी इस दिशा में कोई ठोस कार्रवाई न होने से कर्मचारियों में भारी निराशा है। कर्मचारी आज भी पुरानी अस्थिर और असुरक्षित स्थिति में जीवनयापन करने को विवश हैं, यहाँ तक कि कई जगहों पर समय पर वेतन तक नहीं मिल रहा है। कर्मचारियों ने स्पष्ट किया है कि वे अब सरकार के साथ-साथ सीधे पार्टी संगठन और नेतृत्व की ओर देख रहे हैं ताकि मोदी की गारंटी के तहत उनके जीवन में सकारात्मक और स्थायी बदलाव लाया जा सके। ज्ञापन सौंपने के दौरान शैलेन्द्र जायसवाल, मिली रानी कर, विनीता साहू, विशनी राजवाड़े, गीता सिंह, सविता, वरुण संधानी, बृजलाल पटेल, अमित सिंह, अनिल कुमार, प्रवीण ठाकुर, अहिबरन सिंह, मनप्रीत सिंह, प्रदीप, संजय, हंस लाल, अशोक साहू, राजेश साहू सहित बड़ी संख्या में संविदा कर्मचारी उपस्थित रहे।

'kiFk i=

मैं प्रिंस शुक्ला आ० अनिल शुक्ला उम्र 18 वर्ष जाति ब्राहम्ण निवासी ग्राम पुहपुटरा थाना व तहसील लखनपुर जिला सरगुजा (छ०ग०) का निवासी हू जो निम्नलिखित शपथ पूर्वक कथन करता हूं कि मैं शपथ पूर्वक कथन करता हूं कि मेरा का वास्तविक नाम प्रिंस शुक्ला है। जो मेरा जन्म प्रमाण पत्र व कक्षा 10वी के अंकसूची में अंकित है। एवं मेरा जन्म दिनांक 08/01/2008 है। जिसका अनुक्रमांक 1237503804 है। जो सत्य व सही है। मैं शपथपूर्वक कथन करता हूं कि मेरा आधार कार्ड में त्रुटिपूर्वक मेरा नाम प्रियांशु शुक्ला एवं मेरा जन्म दिनांक 01/01/2007 अंकित हो गया है। मैं शपथपूर्वक कथन करता हूं कि मेरा कक्षा 10वी, व जन्म प्रमाण पत्र के अनुसार मेरा आधार कार्ड में मेरा नाम प्रिंस शुक्ला व जन्म दिनांक 08/01/2008 अंकित कराने के संबंध में स्वयं का शपथ पत्र प्रस्तुत कर रहा हूं शपथ पत्र में दी गई जानकारी सत्य व सही है, त्रुटि पाये जाने पर स्वंय जिम्मेदार रहूंगा।

शपथ कर्ता
प्रिंस शुक्ला

पंछीडांड़ जागरूकता शिविर में योजनाओं की दी गई जानकारी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान

के तहत पंछीडांड़ माध्यमिक विद्यालय में जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र-छात्राओं एवं आमजन को महिला एवं बाल सुरक्षा, साइबर अपराधों से बचाव तथा विभिन्न शासकीय योजनाओं के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में वित्तीय साक्षरता फरजाना के द्वारा बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान, घरेलू हिंसा, महिला उत्पीड़न, मासिक धर्म स्वच्छता, बाल विवाह से होने वाले दुष्परिणामों एवं बाल विवाह रोकने के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने जरूरत पड़ने पर चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 का उपयोग करने की सलाह दी तथा यातायात नियमों की भी जानकारी साझा की। जेंडर विशेषज्ञ सलोमी कुजूर ने नोनी सुरक्षा योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना एवं महतारी वंदन योजना की विस्तृत जानकारी दी। वहीं सखी वन स्टॉप सेंटर, घरेलू हिंसा एवं महिला उत्पीड़न से संबंधित सहायता सेवाओं के साथ महिला हेल्पलाइन 181 आपातकालीन सेवा 112 की जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम के दौरान सारिका द्वारा छात्राओं को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दिया गया एवं ब्रोसर वितरण किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य मो. नसीम अंसारी, व्याख्याता श्रीमति पुष्पा कुजूर, श्रीमती सरस्वती यादव, अर्चना दुबे, अंजली बड़ा, रूची खलखो एवं बंसती मरकाम भी उपस्थित रहे।

डिगमा-सरगवां में सड़क निर्माण और बनारस रोड से प्रतापपुर रोड जोड़ने की मांग

सड़क निर्माण संघर्ष समिति ने मोर्चा खोला, डेढ़ घंटे चक्काजाम के बाद मिला आश्वासन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। बनारस रोड से प्रतापपुर रोड को जोड़ने वाली मुख्य सड़क की बदहाली और भारी वाहनों की आवाजाही से परेशान होकर डिगमा और सरगवां गांव के ग्रामीणों ने मोर्चा खोल दिया है। 'सड़क निर्माण संघर्ष समिति डिगमा-सरगवां' के बैनर तले समस्त ग्रामवासियों ने शुक्रवार को करीब डेढ़ घंटे चक्काजाम करके प्रशासन की ओर से पहुंचे प्रतिनिधि को 3 सूत्रीय मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा और आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी है।

सड़क निर्माण संघर्ष समिति की ओर से ग्रामीणों ने मांग की है कि, बनारस रोड से प्रतापपुर रोड को जोड़ने वाली सड़क का तत्काल निर्माण कराया जाए।

गुहार के बाद सिर्फ आश्वासन मंजूर नहीं

समिति से जुड़े सामाजिक कार्यकर्ता सुजान बिंद सहित अन्य ग्रामीणों ने कहा कि पिछले कई वर्षों से वे जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के पास गुहार लगा रहे हैं, लेकिन हर बार सिर्फ आश्वासन मिलता है। चुनाव के समय नेता आकर सड़क बनाने का वादा करते हैं, लेकिन चुनाव खत्म होते ही सब भूल जाते हैं। हालात सड़क का ऐसा है कि बच्चों का स्कूल जाना, बीमार को अस्पताल ले जाना दूभर है। एम्बुलेंस तक इस सड़क पर नहीं आ पाती, आ जाए तो हिचकोले में बीमार का दम निकल जाए। इन्होंने कहा कि अगर हमारी मांगें नहीं मानी गईं तो उग्र आंदोलन करेंगे।

ग्रामीणों का कहना है कि यह सड़क दोनों गांवों के साथ ही आसपास के कई गांवों के लिए मुख्य संपर्क मार्ग है, लेकिन वर्षों से मरम्मत नहीं होने के कारण यह पूरी तरह से गड्ढों में तब्दील हो चुकी है। बरसात में कीचड़ और अन्य दिनों में धूल के कारण पैदल चलना तक मुश्किल हो गया है। इस मार्ग पर भारी वाहनों का प्रवेश पूरी तरह से बंद करने कहा गया है। समिति का कहना है कि अवैध खनन और अन्य कार्यों के लिए बड़े-बड़े डंपर और ट्रेलर इसी सड़क से गुजरते हैं। ओवरलोड वाहनों के कारण सड़क कुछ ही महीनों में टूट जाती है। ग्रामीणों ने मांग की है कि, सड़क के दोनों छोर पर बैरियर लगाकर वजन सीमा तय की जाए, ताकि ओवरलोड वाहन प्रवेश न कर सकें।

सड़क दुरूस्त करने चार दिन मांगा समय

डिगमा-सरगवां के ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि, उनकी मांगों पर जल्द से जल्द कार्रवाई की जाए। अन्यथा मजबूरन उन्हें पुन: धरना-प्रदर्शन का रास्ता अपनाना पड़ेगा। डेढ़ घंटे तक चले प्रदर्शन के बाद प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के इंजीनियर ने चार दिन में सड़क को दुरूस्त करने का आश्वासन दिया है, इसके बाद चक्काजाम हटाया गया। इस दौरान काफी संख्या में क्षेत्र के लोग उपस्थित थे।

शिक्षिका के सूने मकान से लाखों की चोरी, 2 नाबालिग और कबाड़ी हिरासत में

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शहर में नाबालिग बच्चे सूने मकानों को निशाना बना रहे हैं और चोरी कर सामान को कबाड़ी के यहां बेच रहे हैं, यह आरोप केदारपुर में पुराने नगर निगम के कार्यालय के सामने गली में रहने वालों का है। यहां 22 जुलाई को दिन-दहाड़े तीन नाबालिग बच्चों ने निजी स्कूल की शिक्षिका के सूने मकान में पीछे के दरवाजे को तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोरों ने कांस व पीतल के बर्तन के अलावा नकदी व सोने-चांदी का लाखों का जेवरात पार कर दिया। अपचारी बालकों ने चोरी के सामान को एक कबाड़ी के यहां बेचना बताया है। मामले में पुलिस ने दो नाबालिग और कबाड़ी को हिरासत में लिया है।

जानकारी के मुताबिक, शहर के केदारपुर की सरिता सिन्हा पति विनोद सिन्हा मोंटफोर्ट स्कूल में शिक्षिका हैं। वह रोजाना की भांति 22 जुलाई की सुबह 7.30 बजे अपने घर में ताला बंद करके स्कूल चली गई थीं। दोपहर करीब 3 बजे वापस लौटीं तो ताला पूर्ववत बंद था। ताला खोलकर अंदर गई तो पूरा सामान बिखरा हुआ था। घर के पीछे का दरवाजा टूटा हुआ था। शिक्षिका ने सामान का मिलान किया तो पता चला कि चोरों ने

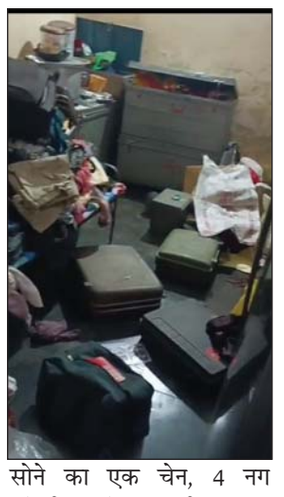

सोने का एक चेन, 4 नग अंगूठी, कांस व पीतल का बर्तन, चांदी के आधा दर्जन से अधिक सिक्के, लगभग 25 हजार रुपये नकद, सहित अन्य सामान की चोरी की है। इसकी जानकारी वह आसपास के लोगों को दी, और पड़ोसी के घर में लगे सीसीटीवी कैमरे को देखा तो पता चला कि दोपहर 12.54 बजे तीन नाबालिग लड़के मकान के पिछले हिस्से के दरवाजे को क्षतिग्रस्त करके अंदर प्रवेश किए और 2.35 बजे बोरियों में सामान को सहेजकर निकल लिए। शिक्षिका के पति ने घटना की सूचना कोतवाली पुलिस को दी। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर दो नाबालिग व एक कबाड़ी को हिरासत में लिया है। चोरी का सामान अपचारी बालकों के द्वारा कबाड़ी को बेचना बताया जा रहा है।

कबाड़ी की भूमिका सवालों के घेरे में

मोहल्ले के लोगों का कहना है कि चोरी का माल खपाने में कबाड़ी की भूमिका अहम है। पूर्व में भी वह ऐसे मामलों में जेल जा चुका है। पूछताछ करने पर उसके द्वारा किसी प्रकार का जेवर, सिक्का, नकद रकम अपचारी बालकों के द्वारा नहीं लाकर देने की बात कही जा रही थी। सवाल यह उठता है कि लाखों का जेवर और बर्तन कहां गया। हैरत वाली बात यह है कि कबाड़ी के द्वारा बच्चों के द्वारा लाकर दिए गए सामानों को किसी फेरीवाले को बेचने की बात कही जा रही थी, जो मोहल्ले के लोगों को गले नहीं उतर रही थी।

वीएसके ऐप की उपस्थिति के आधार पर शिक्षकों की संबद्धता समाप्ति में एक सेवानिवृत्त शिक्षक भी

डीईओ ने मूल संस्था में कार्यमुक्त कर नए संस्थानों में पदस्थ करने जारी किया है आदेश

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। स्कूल शिक्षा विभाग के निर्देश पर सरगुजा जिले में वीएसके ऐप के माध्यम से दर्ज उपस्थिति के आधार पर 10 शिक्षकों एवं कर्मचारियों की अस्थायी संबद्धता समाप्त करके उन्हें उनकी मूल संस्था के लिए कार्यमुक्त कर दिया गया है। जिला शिक्षा अधिकारी ने शुक्रवार को आदेश जारी कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। इस आदेश में एक ऐसे शिक्षक का भी नाम है, जो दो वर्ष पूर्व ही सेवानिवृत हो चुके हैं। जारी आदेश के अनुसार, स्कूल शिक्षा विभाग की बैठक में लिए गए निर्णय के अनुरूप सभी शिक्षकों एवं कर्मचारियों की वास्तविक पदस्थापना के अनुसार व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। वीएसके ऐप से प्राप्त उपस्थिति के परीक्षण के बाद पाया गया कि कुछ शिक्षक एवं कर्मचारी अपनी मूल संस्था के स्थान पर संबद्ध संस्थाओं में कार्यरत हैं। इसके बाद उनकी अस्थायी संबद्धता समाप्त करने का निर्णय लिया गया। आदेश के तहत बतौली, सीतापुर, लुंड्रा, लखनपुर, उदयपुर और मैनपाट विकासखंड के शिक्षक एवं कर्मचारियों को उनकी मूल शालाओं के लिए कार्यमुक्त किया गया है। इनमें व्याख्याता, प्रधान पाठक और भृत्य पद पर कार्यरत कर्मचारी शामिल हैं। साथ ही संबंधित विकासखंड शिक्षा अधिकारियों, संस्था प्रमुखों एवं अन्य अधिकारियों को आदेश का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

जिला शिक्षा अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि, आदेश का तत्काल प्रभाव से पालन किया जाए तथा संबंधित कर्मचारियों की मूल पदस्थापना के अनुरूप व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

शासकीय राशि गबन करने वाले दो पूर्व सरपंचों के विरुद्ध गिरफ्तारी वारंट जारी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं विहित प्राधिकारी अंबिकापुर द्वारा ग्राम पंचायतों में निर्माण कार्यों के लिए प्राप्त शासकीय राशि के दुरुपयोग एवं शासकीय राशि जमा नहीं करने के प्रकरण में दो पूर्व सरपंचों के विरुद्ध गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। न्यायालय के आदेशानुसार संबंधित थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया है कि, आरोपितों को गिरफ्तार करके न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जाए।

जारी आदेश के अनुसार, ग्राम पंचायत लब्जी के तत्कालीन सरपंच जोगेन्द्र लाल भगत द्वारा विभिन्न निर्माण कार्यों के लिए प्राप्त 8 लाख 29 हजार रुपये की राशि का अनाधिकृत रूप से आहरण कर लिया गया, जबकि निर्माण कार्य नहीं कराया गया। न्यायालय के अनुसार उक्त राशि को स्वयं रखकर शासकीय राशि का दुरुपयोग एवं गबन किया गया। प्रकरण विचाराधीन होने तथा कई अवसर दिए जाने के बावजूद संबंधित द्वारा बकाया राशि जमा नहीं की गई। इस पर न्यायालय ने गिरफ्तारी वारंट जारी करते हुए संबंधित को गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत करने तथा न्यायालय के अगले आदेश तक अभिरक्षा में रखने के निर्देश दिए हैं।

इसी प्रकार ग्राम पंचायत थोर के तत्कालीन सरपंच परमोहन सिंह के विरुद्ध भी निर्माण कार्यों के लिए प्राप्त 90 हजार 296 रुपये की राशि के दुरुपयोग एवं गबन के मामले में न्यायालय ने गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। आदेश में उल्लेख किया गया है कि, संबंधित द्वारा शासकीय राशि का समायोजन अथवा वापसी नहीं की गई, जिसके कारण प्रकरण न्यायालय में लंबित है। न्यायालय ने संबंधित को भी गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने तथा आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए हैं। न्यायालय ने दोनों मामलों में स्पष्ट किया है कि शासकीय राशि के दुरुपयोग एवं गबन से जुड़े प्रकरणों में विधि सम्मत कार्रवाई की जा रही है तथा संबंधित थाना प्रभारियों को गिरफ्तारी वारंट का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

अतिथि शिक्षकों का वॉक-इन-इंटरव्यू परिणाम जारी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। आदिवासी विकास विभाग के सहायक आयुक्त ने बताया कि जिले में संचालित 05 एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए अस्थायी रूप से हिन्दी/अंग्रेजी सी.बी.एस.ई. पैटर्न पर शाला संचालन हेतु निर्धारित मानदेय पर अतिथि शिक्षक पीजीटी/टीजीटी एवं अन्य पदों की पूर्ति हेतु 06 जुलाई से 09 जुलाई तक, प्रात: 09 बजे से सायं 04 बजे तक वॉक इन इंटरव्यू एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय रिखी (वर्तमान पता-कन्या शिक्षा परिसर, अंबिकापुर में आयोजित किया गया था। उन्होने बताया कि वॉक-इन-इंटरव्यू के परिणाम की सूची कार्यालय सहायक आयुक्त आदिवासी विकास अम्बिकापुर एवं एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय कन्या शिक्षा परिसर, अंबिकापुर के सूचना पटल अथवा जिले के वेबसाईट पर अवलोकन हेतु अपलोड कर दिया गया है।

मुख्यमंत्री अजा-जजा विद्यार्थी उत्कर्ष योजना की काउंसलिंग स्थगित

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। आदिवासी विकास विभाग के सहायक आयुक्त ने बताया कि आयुक्त आदिम जाति तथा अनुसूचित जनजाति विकास विभाग द्वारा जारी पत्रानुसार मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति एवं जनजाति विद्यार्थी उत्कर्ष योजना (पूर्व में जवाहर उत्कर्ष योजना) शैक्षणिक सत्र 2026-27 में कक्षा 6वीं में प्रवेश हेतु 14 जुलाई को जिला स्तर पर काउंसलिंग की कार्रवाई को निरस्त किया गया है। काउंसलिंग हेतु चयनित विद्यार्थी, पालकों को सूचित किया गया है कि, शासन से दिशा-निर्देश प्राप्त होते ही काउंसलिंग की सूचना पृथक से दी जाएगी।

ड्रंक एंड ड्राइव के मामले में बाइक सवार को 10 हजार अर्थदंड

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा राजेश अग्रवाल के निर्देश पर सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और अवैध शराब बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस लगातार सख्त कार्रवाई कर रही है। इसी क्रम में यातायात थाना पुलिस और गांधीनगर थाना पुलिस ने ड्रंक एंड ड्राइव और अवैध महुआ शराब बिक्री के मामले में अलग-अलग कार्रवाई की है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, यातायात शाखा पुलिस टीम द्वारा चेकिंग के दौरान मोटरसायकल वाहन क्रमांक सीजी 15 ईजे 9250 के सवार रामपाल लकड़ा पिता लुरसाय लकड़ा, 25 वर्ष, निवासी थाना सीतापुर को रोका। ब्रेथ एनालाइजर से जांच करने पर चालक शराब के नशे में धुत्त पाया गया। यातायात नियमों की अवहेलना पर उसके विरुद्ध धारा 185 मोटर व्हीकल एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया। न्यायालय ने आरोपी को 10,000 रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। कार्रवाई में यातायात शाखा प्रभारी उप निरीक्षक विजय कैवर्त एवं स्टाफ सक्रिय रहे। पुलिस ने सड़क दुर्घटनाओं पर लगाम लगाने के लिए शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ आगे भी इसी तरह कड़ी कार्रवाई जारी रहने का संकेत दिया है।

विश्वविद्यालय में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत 250 से अधिक पौधों का रोपण

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता संवर्धन तथा विश्वविद्यालय परिसर को अधिक हरित एवं पर्यावरण-अनुकूल बनाने के उद्देश्य से संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय के फार्म फॉरेस्ट्री विभाग द्वारा 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम एवं बीज आधारित हरित फेंसिंग (ग्रीन फेंसिंग) विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम कुलपति प्रो. राजेन्द्र लाकपाले की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि वनमंडल अधिकारी श्वेता कम्बोज थीं। कार्यक्रम का शुभारंभ 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान तहत वृक्षारोपण से किया गया। इस अवसर पर कुलपति सहित वन विभाग के प्रशिक्षु अधिकारी, विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. शारदा प्रसाद त्रिपाठी, विभागाध्यक्षों, अधिकारियों, शिक्षकों, कर्मचारियों तथा विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों ने 250 से अधिक विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया। वृक्षारोपण के उपरांत आयोजित प्रशिक्षण कार्यशाला

में छत्तीसगढ़ वन विभाग के विशेषज्ञों ने विश्वविद्यालय परिसर की बाउंड्री पर बीज आधारित हरित फेंसिंग विकसित करने की वैज्ञानिक एवं व्यवहारिक तकनीकों की जानकारी दी। इस दौरान बीज चयन, भूमि की तैयारी, बुवाई के उपयुक्त गहराई एवं दूरी, नमी संरक्षण, अंकुरण तथा पौधों की प्रारंभिक देखभाल जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

कार्यशाला के पश्चात विश्वविद्यालय परिसर की खुली बाउंड्री पर तीन दिवसीय बीजारोपण अभियान का शुभारंभ किया गया। अभियान के अंतर्गत खुली सीमा वाले क्षेत्रों में बीजों के माध्यम से प्राकृतिक एवं स्थायी हरित फेंसिंग विकसित की जाएगी, जिससे परिसर का हरित आवरण सुदृढ़ होने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सभी विभागों के विद्यार्थियों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। कार्यक्रम का समन्वय फार्म फॉरेस्ट्री विभाग द्वारा किया गया। विभागाध्यक्ष डॉ. कौशल सिंह ने सभी अतिथियों, वन विभाग के विशेषज्ञों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए पर्यावरण संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया।

थाना परिसर में घुसकर गाली-गलौज, केस दर्ज

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। लखनपुर थाना परिसर में घुसकर शराब के नशे में धुत युवकों के द्वारा गाली-गलौज और शोर-शराबा करने के मामले में पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। घटना के समय थाना लखनपुर में तैनात दिवस अधिकारी प्रधान आरक्षक ने रिपोर्ट दर्ज कराया है कि 22 जुलाई को नयन राज गुप्ता पिता शिवकुमार गुप्ता 26 वर्ष और गौतम प्रसाद चैधरी पिता शुभम राम 20 वर्ष दोनों निवासी ग्राम पुटा, थाना उदयपुर शाम करीब 7.30 बजे नशे की हालत में थाना परिसर में आए और अनावश्यक गाली-गलौज करके शोर मचाने लगे। इन्हें समझाइश देकर जाने के लिए कहा गया, लेकिन ये पुलिस कर्मियों से ही उलझने लगे, जिससे माहौल अशांत हो रहा था। थाना में उपस्थित आरक्षक राकेश चतुरेश एवं विजय सिंह ने बताया कि दोनों शराब के नशे में धुत है। ऐसे में पुलिस ने सख्ती बरतते हुए इनका चिकित्सक से मुलाहिजा कराया, जिसमें शराब का सेवन करना पाया गया। पुलिस ने दोनों आरोपियों के विरूद्ध धारा 36(च) आबकारी एक्ट का अपराध पंजीबद्ध करके इन्हें गिरफ्तार किया, बाद में जमानत मुचलका पर रिहा किया।

15 वर्षीय छात्र की पत्थर से कुचलकर हत्या, जंगल में मिला शव

खेलने जाने की बात कहकर निकला था घर से, चेहरे और पैर पर गंभीर चोट के निशान

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। उदयपुर थाना क्षेत्र के ग्राम सलका में 15 वर्षीय कक्षा 9 के छात्र की निर्मम हत्या का मामला सामने आया है। छात्र का शव शुक्रवार सुबह टिहली पर्वत के जंगल में पत्थरों के बीच पड़ा मिला। शव की हालत देखकर आशंका जताई जा रही है कि हत्या से पहले उसके साथ बेरहमी से मारपीट की गई।

जानकारी के अनुसार, ग्राम सलका निवासी विरेंद्र कंवर गुरुवार को शाम करीब 5 बजे घर से खेलने जा रहा हूं कहकर निकला था। देर रात तक घर वापस नहीं लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। शुक्रवार सुबह करीब 6 बजे टिहली पर्वत पर योग करने पहुंचे कुछ लोगों ने झाड़ियों के पास एक किशोर का शव पड़ा देखा। शव के पास खून और भारी पत्थर पड़े थे। सूचना मिलते ही ग्रामीण और परिजन मौके पर पहुंचे। परिजनों ने शव की पहचान विरेंद्र के रूप में की।

चेहरा पत्थर से कुचला, पैर में भी चोट

घटना की सूचना पर उदयपुर पुलिस और अंबिकापुर से फॉरेंसिक टीम पहुंची और

घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि छात्र के चेहरे को किसी भारी पत्थर से कुचल दिया गया है और पैरों में भी गंभीर चोट के निशान हैं। शरीर पर अन्य जगहों पर भी मारपीट के निशान मिले हैं। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस का मानना है कि हत्या किसी सुनसान जगह पर ले जाकर की गई है। पोस्ट मार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत का सही कारण स्पष्ट हो सकेगा।

कक्षा 9वीं का था छात्र-मृतक विरेंद्र कंवर सलका हाईस्कूल में कक्षा 9 का छात्र था। घटना से गांव में शोक की लहर है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। विरेंद्र शांत स्वभाव का लड़का था, उसकी किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी। बहरहाल उदयपुर थाना पुलिस हत्याकांड की जांच कर रही है।

हड़ताली अतिथि शिक्षक 27 तक कार्य पर नहीं लौटे तो सेवाएं समाप्त करने की होगी कार्रवाई

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शासकीय विद्यालयों में विद्यार्थियों की पढ़ाई निर्बाध रूप से संचालित हो तथा शैक्षणिक व्यवस्था प्रभावित न हो, इसे दृष्टिगत रखते हुए जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. दिनेश झा द्वारा जिले के समस्त विकासखंड शिक्षा अधिकारियों एवं शासकीय हाईस्कूल तथा उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के प्राचार्यों को आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं। जारी निर्देशों के अनुसार वर्तमान में जिले के अनेक शासकीय विद्यालयों में कार्यरत अतिथि शिक्षक अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं, जिसके कारण विद्यालयों में अध्ययन-अध्यापन व्यवस्था प्रभावित हो रही है। विद्यार्थियों के शैक्षणिक हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए शासन के निर्देशानुसार सभी हड़तालरत अतिथि शिक्षकों को 27 जुलाई तक अपने-अपने कार्यस्थल पर वापस लौटने के लिए विद्यालय प्रबंधन समिति के माध्यम से निर्देशित करने कहा गया है।

जिला शिक्षा अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि यदि निर्धारित तिथि तक संबंधित अतिथि शिक्षक कार्य पर वापस उपस्थित नहीं होते हैं, तो शासन द्वारा जारी निर्देशों एवं प्रचलित प्रावधानों के अनुरूप उनकी अतिथि शिक्षक के रूप में की गई व्यवस्था तत्काल प्रभाव से समाप्त करते हुए नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। संबंधित कार्रवाई की जानकारी जिला शिक्षा कार्यालय को तत्काल उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए गए हैं। जारी आदेश में यह भी कहा गया है कि विद्यालयों में विद्यार्थियों की नियमित पढ़ाई किसी भी स्थिति में प्रभावित नहीं होनी चाहिए। सभी प्राचार्य एवं विकासखंड शिक्षा अधिकारी आवश्यक समन्वय स्थापित कर शासन के निर्देशों का समयबद्ध पालन सुनिश्चित करेंगे।

15 लीटर महुआ शराब और 200 किलो महुआ लाहन जब्त

संभागीय आबकारी उड़नदस्ता ने दबिश देकर की कार्रवाई

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। संभागीय आबकारी उड़नदस्ता टीम ने गंगापुर में दबिश देकर 15 लीटर महुआ शराब एवं 200 किलोग्राम महुआ लाहन जब्त किया है। जानकारी के मुताबिक, संभागीय आबकारी उड़नदस्ता कार्यालय को 24 जुलाई को मुखबिर से सूचना मिली कि, नालापारा गंगापुर में रहने वाला विजय गिरी अपने घर में भारी मात्रा में महुआ लाहन एवं शराब बनाकर रखा है। सूचना पर सहायक जिला आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता ने उड़नदस्ता टीम के साथ नालापारा गंगापुर में विजय गिरी के घर में दबिश दी। विजय गिरी के मौजूदगी में घर का तलाशी लेने पर एक कमरे में 15 लीटर हाथ भट्ठी महुआ शराब और 200 किलोग्राम महुआ लाहन

मिला, यहां एक भट्ठी भी चढ़ाया गया था। आरोपी विजय गिरी को छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम की धारा 34(2), 59(क) के तहत गिरफ्तार करके 24 जुलाई को न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया। कार्रवाई में सहायक जिला आबकारी अधिकारी के साथ आबकारी उप निरीक्षक रमेश दुबे, प्रधान आरक्षक अशोक सोनी, नगर सैनिक रोहित सोनवानी और महिला सैनिक राजकुमारी सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सड़क हादसे में मृत युवक की शिनाख्त नहीं

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। मणीपुर थाना पुलिस ने सड़क हादसे में घायल 31 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति को मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल में भर्ती कराया था, इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान नहीं हो पाने के कारण पुलिस ने शव को अस्पताल के मर्च्युरी में रखवाया है, और मृत युवक के शिनाख्त का प्रयास कर रही है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दरीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर